



नाना पाटेकर का आखिरी विडियो ड्रम बजाया, डांस किया

4 दिन पहले कहा था- नहीं जानता, कल रहूँ या नहीं ; गोवा में कार्डियक अरेस्ट से निधन



□ एजेंसी मुंबई

दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर का गुरुवार सुबह 75 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्हें गोवा स्थित घर में कार्डियक अरेस्ट हुआ था। उन्हें करीब 45 मिनट तक दी गई, लेकिन बचाया नहीं जा सका। अंतिम संस्कार पुणे के फॉर्महाउस में होगा। मणिपाल हॉस्पिटल के डॉ. शेखर सालकर के मुताबिक नाना पाटेकर का सुबह 5:20 बजे निधन हुआ। घटना के वक्त नाना के साथ घर पर परिवार का कोई सदस्य नहीं था। उनके दोस्त और केयरटेकर मौजूद थे। नाना पाटेकर की सामाजिक संस्था नाम फाउंडेशन के अध्यक्ष गणेश थोरात ने बताया कि एक्टर का पार्थिव शरीर शाम 5 बजे तक फॉर्महाउस पहुंच सकता है। यहां अंतिम दर्शन की भी व्यवस्था की जाएगी।

नाना पाटेकर का 4 दिन पुराना आखिरी वीडियो सामने आया है। इसमें नाना पाटेकर ड्रम बजाते, डांस करते और मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कहा था, हम सभी को एक दिन जाना है। पता नहीं मैं कल यहां रहूंगा या नहीं।

ट्रेन से लापता लड़की का शव आंध्र प्रदेश में मिला

□ एजेंसी गुवाहाटी

ट्रेन में सफर के दौरान लापता हुई असम की एक आदिवासी छात्रा का शव बुधवार सुबह आंध्र प्रदेश में मिला है। असम के कामरूप जिले में रहने वाली 20 साल की हिमाश्री बोरो विशाखापत्तनम से गुवाहाटी जा रही थी। वह में सवार थी। छात्रा की मां ने बताया कि वह 5 अक्टूबर को रात 11:50 बजे विशाखापत्तनम से डिब्रुगढ़ विवेक एक्सप्रेस (नं. 22503) ट्रेन में सवार हुई थी। ट्रेन को 7 अक्टूबर सुबह 9:05 बजे गुवाहाटी पहुंचना था। इसी दौरान 6 अक्टूबर को सुबह 2:39 बजे उसने एक सहेली को बताया था कि कुछ लड़के उसे परेशान कर रहे हैं। इसके बाद अचानक उसका फोन बंद हो गया था। जांच के दौरान ट्रेन में हिमाश्री का सामान मिला था, लेकिन वह लापता थी।

मोबाइल कांग्रेस में मोदी बोले- बैंक, अस्पताल अब फोन में

इससे 5 लाख करोड़ गलत हथ्यों में जाने से बचे; पहले इवेंट में भारत था, अब 100 देश

□ एजेंसी नई दिल्ली

इंडिया मोबाइल कांग्रेस के दूसरे दिन पीएम मोदी ने कहा कि आज सरकार की बैंक, अस्पताल, सरकारी दफ्तर जैसी सैकड़ों सर्विसेज मोबाइल पर हैं।

वहीं उन्होंने बताया कि डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर से अब तक करीब 50 लाख करोड़ रुपए सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजे जा चुके हैं। इस सिस्टम की वजह से



बिचौलियों और फजीवाड़े पर रोक लगी और लगभग 5 लाख करोड़ रुपए गलत हथ्यों में जाने से बच गए। इंडिया मोबाइल कांग्रेस का द्वा और 6त पर फोकस रहेगा। 2017 में हुआ पहला इवेंट सिर्फ भारत पर फोकस था, अब 100 से ज्यादा देश शामिल हुए हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज मोबाइल फोन केवल गपशप या चैट

आरोप-सफदरजंग अस्पताल में एक ही वेंडर की मैनपावर सप्लाई

2014 में साई कम्युनिकेशन को दी गई थी; पीएमओ, स्वास्थ्य मंत्रालय और सीबीआई से जांच की मांग

□ एजेंसी नई दिल्ली

देश के प्रमुख सरकारी अस्पतालों में शामिल सफदरजंग अस्पताल में मैनपावर सप्लाई को लेकर गंभीर आरोप लगे हैं। शिकायतकर्ता के मुताबिक, अस्पताल में एडमिनिस्ट्रेटिव और पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी 2014 में साई कम्युनिकेशन को दी

गई थी। शिकायतकर्ता ने अस्पताल प्रशासन और मैनपावर एजेंसियों के बीच सांडगाठ का आरोप लगाया है। उसने पीएमओ, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और सीबीआई को शिकायत भेजकर मामले की जांच की मांग की है। शिकायत में मैनपावर के टेंडर, कर्मचारियों के वेतन, जीएसटी भुगतान और बिलिंग की स्वतंत्र जांच की मांग की गई है। आरोप है कि 2014 के बाद कंपनी को लगातार एक्सटेंशन दिया गया और बिना नया टेंडर जारी किए वही कंपनी मैनपावर सप्लाई करती रही।

एसआईआर को सही बताया लिखा- बिना सबूत वोट चोरी के आरोप लोगों का भरोसा घटा सकते हैं

ज्ञानेश कुमार के सपोर्ट में 42 पूर्व जजों का लेटर

□ एजेंसी नई दिल्ली

चुनाव आयोग और एसआईआर को लेकर जारी विवाद के बीच 42 पूर्व जजों ने सीईसी ज्ञानेश कुमार का समर्थन किया है। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं पर बिना सबूत आरोप लगाने से बचने की अपील की।

पूर्व जजों ने एक लेटर पर साइन किए हैं। इसमें कहा गया है कि शिकायतें लोकतांत्रिक और कानूनी तरीकों से उठाई जानी चाहिए। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को भी सही बताया है। लेटर में चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों पर जजों ने कहा कि इनके समर्थन में सबूत नहीं दिए गए हैं। बिना सबूत संवैधानिक संस्थाओं पर हमले चुनावी प्रक्रिया में लोगों का भरोसा कमजोर कर सकते हैं।



कांग्रेस और कॉंग्रेस जनता पार्टी की कड़ी आलोचना की

इस ओपन लेटर में पूर्व सुप्रीम कोर्ट जज जस्टिस हेमंत गुप्ता और जस्टिस पंकज मित्तल के भी साइन हैं। लेटर में लिखा है- «वोट चोरी के आरोप अदालतों में नहीं, बल्कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगाए जाते हैं। जब आयोग शपथ पत्र मांगता है,

थप्पड़ मामले में प्रवेश वर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट का नोटिस, पुलिस से भी जवाब मांगा

□ एजेंसी नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने पुलिस और पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा से उस घटना की निष्पक्ष जांच की मांग वाली याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें नेता ने के एक वक्ता को थप्पड़ मारा था। पिछले महीने सोशल मीडिया पर कई वीडियो सामने आए थे जिनमें वर्मा एक व्यक्ति को थप्पड़ मारते हुए दिखे थे। वह व्यक्ति मंत्री के सड़क के निरीक्षण का वीडियो बना रहा था, जिसका निरीक्षण खराब काम के आरोपों के बाद किया जा रहा था। मंत्री पश्चिमी दिल्ली के तिलक नगर इलाके में हाल ही में बनी सड़क का निरीक्षण कर रहे थे। आप विधायक जरनैल सिंह ने काम की गुणवत्ता पर सवाल उठाए और सड़क की सतह के कुछ हिस्सों को हाथ से उखाड़ दिया।

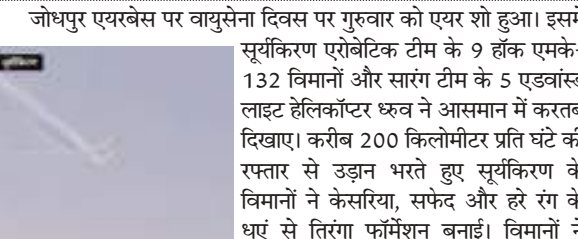
मोबाइल गुड गवर्नर्स का

बड़ा औजार बना

भारत में टेलीकॉम का मतलब अब सिर्फ नेटवर्क, स्पेक्ट्रम या इंटरनेट स्पीड तक सीमित नहीं है। पीएम ने कहा कि भारतीयों के लिए यह इससे कहीं आगे की चीज है।

जोधपुर के आसमान में सूर्यकिरण विमानों ने बनाया तिरंगा

□ एजेंसी जोधपुर



जोधपुर एयरवेस पर वायुसेना दिवस पर गुरुवार को एयर शो हुआ। इसमें सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के 9 हॉक एमके-132 विमानों और सारांग टीम के 5 एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर ध्रुव ने आसमान में करतब दिखाए। करीब 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भरते हुए सूर्यकिरण के विमानों ने केसरिया, सफेद और हरे रंग के धुएं से तिरंगा फॉर्मेशन बनाई। विमानों ने

आसमान में डीएनए फॉर्मेशन और हार्ट शेप (दिल की आकृति) भी उकेरी। इन विमानों ने वर्टिकल क्लाईंब, इन्वर्टेड क्रॉसओवर बैरल रोल जैसी कई फॉर्मेशन बनाकर लोगों का ध्यान खींचा।

जोधपुर एयरवेस पर वायुसेना दिवस पर गुरुवार को एयर शो हुआ। इसमें

सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के 9 हॉक एमके-132 विमानों और सारांग टीम के 5 एडवांस्ड लाइट हेलिकॉप्टर ध्रुव ने आसमान में करतब दिखाए। करीब 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ान भरते हुए सूर्यकिरण के विमानों ने केसरिया, सफेद और हरे रंग के धुएं से तिरंगा फॉर्मेशन बनाई। विमानों ने आसमान में डीएनए फॉर्मेशन और हार्ट शेप (दिल की आकृति) भी उकेरी। इन विमानों ने वर्टिकल क्लाईंब, इन्वर्टेड क्रॉसओवर बैरल रोल जैसी कई फॉर्मेशन बनाकर लोगों का ध्यान खींचा।

लेटर में पूर्व जजों के 3 दावे

चुनावों को अवैध ठहराने के प्रयास तथ्यांक के बढ़ावा दे सकते हैं और अराजक तत्वों को प्रोत्साहित कर सकते हैं। चुनाव कराने वाले अधिकारियों को अपशब्द कहे जा रहे हैं, अधिकारियों को सत्ता बदलने के बाद बदला लेने की चेतावनी दी जा रही है। एक्टिविस्ट संगठन आरोपों को कानूनी रूप देने

मज़बूती सबकुछ है

SG600

www.salujagold.com Toll Free: 1800 313 7800

न्यूज | ब्रीफ

रूपी सोरेन के निधन पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने अर्पित की श्रद्धांजलि



रफ़्तार मीडिया संवाददाता

रांची:भाजपा के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा के साथ गुरुवार को रांची के मोरहाबादी स्थित स्वर्गीय शिबू सोरेन के आवास पहुंचकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माता एवं स्वर्गीय शिबू सोरेन की धर्मपत्नी रूपी सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने दिवंगत रूपी सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।इस अवसर पर आदित्य साहू ने कहा कि रूपी सोरेन का निधन अत्यंत दुखद और पीड़ादायक है। उनके निधन से सोरेन परिवार के साथ-साथ पूरे झारखंड को अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में भाजपा शोकाकुल सोरेन परिवार के साथ खड़ी है।आदित्य साहू ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा शोक संतप्त सोरेन परिवार को इस कठिन समय में दुःख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

रूपी सोरेन के अंत्योष्टि मे शामिल हुए जयराम महतो: सीएम हेमंत सोरेन से मुलाकात कर उन्हें ढाढ़स बंधाया

सौरभ राँव/ रफ़्तार मीडिया

नेमरा/ रांची:मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माँ एवं दिवंगत दिशोम गुरु शिबू सोरेन की धर्मपत्नी रूपी सोरेन का अंत्योष्टि विधि विधान के साथ गुरुवार को उनके पैत्रिक गाँव नेमरा मे संपन्न हुआ। नेमरा मे उनके अंतिम दर्शन के लिए लोगो की भीड़ उमड़ गई इस बीच डुमरी विधायक जयराम महतो ने अंतिम दर्शन एवं दाह संस्कार में नेमरा पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की.

मां को खोने का दुःख शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता- जयराम महतो

जयराम महतो ने भावुक होकर कहा कि मां को खोने का दुःख शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता. जीवन में मां का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता. वहीं, इस पीड़ादायक क्षण में उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर उन्हें ढाढ़स बंधाया और अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की. जयराम महतो ने कहा ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा हेमंत सोरेन जी सहित समस्त शोकाकुल सोरेन परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति, धैर्य और सबल प्रदान करें...शत शत नमन, अंतिम जोहार...

सड़क हादसे में तीन लोग गंभीर, रिम्स रेफर

रफ़्तार संवाददाता, मांडर।

मांडर थाना क्षेत्र के रांची-मेदिनीनगर मुख्य मार्ग (एनएच-39) पर गुरुवार को करकट चौक के समीप सड़क हादसे में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान सेवाडीह गांव निवासी 20 वर्षीय अमित तिग्गा, 19 वर्षीय राजेश तिग्गा तथा चोरेया गांव निवासी 52 वर्षीय झिरगा उरांव के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, झिरगा उरांव सड़क किनारे पैदल चल रहे थे। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में मोटरसाइकिल सवार अमित तिग्गा और राजेश तिग्गा समेत झिरगा उरांव गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस और ग्रामीणों की मदद से तीनों घायलों को इलाज के लिए मांडर रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रिम्स, रांची रेफर कर दिया।

हेमंत सोरेन की माताजी के निधन पर कांग्रेस नेता अशोक पांडेय ने जताया गहरा शोक



- शोक संतप्त परिवार के प्रति व्यक्त की संवेदना, दिवंगत आत्मा की शांति के लिए की प्रार्थना**

रांची।कांग्रेस नेता अशोक पांडेय ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की माताजी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि निधन की सूचना से मन अत्यंत व्यथित है। इस दुःख की घड़ी में हमारी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं।

अशोक पांडेय ने कहा कि किसी प्रियजन का निधन परिवार के लिए अपूरणीय क्षति होती है। उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में पूरा समाज उनके साथ खड़ा है।

उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

उपायुक्त आलोक कुमार ने संशोधित कार्यक्रम के अनुसार कार्य पूरा करने का दिया निर्देश, लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर जोर

- एसआईआर की समयसीमा बढ़ी, 30 नवंबर को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची : आलोक कुमार** **दीनबंधु राउत / रफ़्तार मीडिया संवाददाता जामताड़ा।**

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा झारखंड में संचालित मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 (एसआईआर) की समयसीमा में विस्तार किया गया है।आयोग से प्राप्त संशोधित कार्यक्रम के आलोक में जिला



निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आलोक कुमार ने जिले में एसआईआर से संबंधित सभी गतिविधियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया है। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन अब 30 नवंबर



2026 को किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के तहत नो-मैपिंग एवं तार्किक विसंगति से संबंधित प्रथम एवं द्वितीय नोटिस के मामलों का निष्पादन 22 अक्टूबर तक किया जाना है। द्वितीय नोटिस के बाद भी दस्तावेज जमा नहीं करने वाले मतदाताओं के सत्यापन तथा

अन्य बिना-नोटिस मामलों का निष्पादन 31 अक्टूबर तक होगा। इसी अवधि में फॉर्म-6, 6ए, 7 एवं 8 से संबंधित सभी दावे-आपत्तियों का डिजिटाइजेशन भी पूरा करना है। अन-एनरोल्ड पात्र नागरिकों का घर-घर सत्यापन एवं फॉर्म-6 का डिजिटाइजेशन

उषा मार्टिन विश्वविद्यालय में जनजातीय अधिकार एवं परंपराओं के अध्ययन केंद्र का शुभारंभ

- जनजातीय ज्ञान, संस्कृति और विरासत के संरक्षण को मिलेगा अकादमिक मंच** **रफ़्तार मीडिया**

रांची। झारखंड की समृद्ध जनजातीय विरासत, स्वदेशी ज्ञान और पारंपरिक संस्कृति के संरक्षण एवं अध्ययन की दिशा में उषा मार्टिन विश्वविद्यालय (UMU), रांची ने महत्वपूर्ण पहल की है। विश्वविद्यालय परिसर में बुधवार को उषा मार्टिन सेंटर फॉर ट्राइबल राइट्स एंड कस्टम्स (UM-CTRC) का शुभारंभ किया गया। यह केंद्र जनजातीय अधिकारों, परंपराओं, संस्कृति, विरासत और समकालीन सामाजिक परिस्थितियों से जुड़े विषयों पर शोध, दस्तावेजीकरण, संवाद और अकादमिक अध्ययन का प्रमुख मंच बनेगा। कार्यक्रम में ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट (TRI), रांची के निदेशक आलोक एस. कच्छप मुख्य अतिथि तथा केंद्रीय विश्वविद्यालय



झारखंड के सहायक प्राध्यापक डॉ. शमशेर आलम विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद केंद्र का औपचारिक उद्घाटन किया गया तथा अतिथियों ने नवनिर्मित केंद्र का भ्रमण किया।

इस अवसर पर आलोक एस. कच्छप ने जनजातीय समुदायों से जुड़े व्यवस्थित शोध और दस्तावेजीकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनजातीय ज्ञान, परंपराओं और सामाजिक प्रथाओं का अध्ययन अकादमिक संवेदनशीलता और सम्मान के साथ किया जाना चाहिए। वहीं डॉ. शमशेर आलम ने जनजातीय समाज, सांस्कृतिक परंपराओं और बदलती सामाजिक परिस्थितियों को समझने के लिए अंतर्विषयक

शोध की आवश्यकता बताई। UMU की प्रो-चांसलर प्रो. मधुलिका काशिक ने कहा कि यह केंद्र विश्वविद्यालय की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जिसके तहत उच्च शिक्षा को कक्षा की सीमाओं से आगे ले जाकर झारखंड की सामाजिक एवं सांस्कृतिक वास्तविकताओं से जोड़ा जा रहा है। विश्वविद्यालय के कार्यवाहक कुलपति ब्रिगेडियर (डॉ.) समर वीर सिंह ने कहा कि यह अकादमिक मंच विद्यार्थियों और शोधार्थियों को क्षेत्र की विविध जनजातीय समुदायों एवं उनकी ज्ञान परंपराओं को करीब से समझने का अवसर प्रदान करेगा।

केंद्र के माध्यम से शोध, संगोष्ठी, व्याख्यान, दस्तावेजीकरण और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जाएगा।

रूपी सोरेन के निधन पर आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी में श्रद्धांजलि सभा



वरिय संवाददाता शंकर ठाकुर

रांची : झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की पूजनीय माताजी स्वर्गीय रूपी सोरेन के निधन पर गुरुवार को आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी, रांची परिसर में शोक एवं श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस दौरान विश्वविद्यालय परिवार के पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने स्वर्गीय रूपी सोरेन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

श्रद्धांजलि सभा में विश्वविद्यालय परिवार ने

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं उनके शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उपस्थित लोगों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करने तथा परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति देने की कामना की। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार ने कहा कि स्वर्गीय रूपी सोरेन का निधन अपूरणीय क्षति है। दुःख की इस घड़ी में आरकेडीएफ यूनिवर्सिटी का पूरा परिवार शोक संतप्त परिवार के साथ खड़ा है। सभा के अंत में तो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित ।

गोविंदपुर से लापता युवक का शव ढोकरा हॉल्ट के पास मिला, फोन कॉल के बाद घर से निकला था पवन



उच्च स्तरीय जांच की मांग।
गोवर्धन रजक रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद: धनबाद जिले के गोविंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सबलपुर निवासी 24 वर्षीय पवन कुमार सेन का शव रहस्यमय परिस्थितियों में धनसार थाना क्षेत्र के ढोकरा हॉल्ट के पास बरामद हुआ है। शव मिलने की खबर फैलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पवन पिछले दो दिनों (6 अक्टूबर) से लापता थे। इस हृदयविदारक घटना के बाद मृतक के परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है और इलाके में मातम पसरा हुआ है।

- फोन कॉल के बाद निकले, फिर नहीं लौटे** परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, पवन 6 अक्टूबर की शाम करीब पांच बजे घर पर ही थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर किसी का फोन आया। फोन पर हुई बातचीत के बाद वे घर से निकले, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। काफी

खोजबीन के बाद भी जब उनका कोई सुराग नहीं मिला, तो परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस को इसकी सूचना दी। दो दिन बाद ढोकरा हॉल्ट के पास एक शव मिलने की सूचना पर परिजन बदहवास हालत में मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने शव की शिनाख्त पवन कुमार सेन के रूप में की। दो बच्चों के सिर से उठा पिता का साया पवन कुमार सेन बेहद साधारण परिवार से आते थे और पेशे से हॉकर थे। वे हर सुबह अखबार बांटकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके दो छोटे बच्चे हैं। पवन की अचानक और रहस्यमय मौत से दोनों बच्चों के सिर से पिता का साया हमेशा के लिए उठ गया है, जिससे परिवार गहरे सदमे में है।

- हत्या या हादसा? मौत की वजहों पर उठे सवाल** घटना के बाद पवन की मौत को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सबलपुर पंचायत के पूर्व मुखिया प्रतिनिधि नितेश गोप ने बताया कि पवन को फोन कर

किसी ने साजिश के तहत बुलाया था, जिसके बाद से ही वह लापता थे। परिजनों और स्थानीय लोगों को आशंका है कि पवन की हत्या कर शव को यहां फेंका गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि यह हत्या है या किसी अन्य कारण से मौत हुई है।

- पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा राज** मामले की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा किया और पोस्टमार्टम के लिए शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेज दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। इधर, परिजनों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर कॉल डिटेल्स खंगालने, दोषियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

लायंस क्लब एलीट ने किया मेडिटेशन कार्यशाला का आयोजन

रफ़्तार मीडिया संवाददाता गिरिडीह। लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलिट एवं सहज मेडिटेशन संस्था के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को रेड क्रॉस सोसाइटी भवन, गिरिडीह में विशेष मेडिटेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मेडिटेशन के माध्यम से मानसिक शांति, सकारात्मक ऊर्जा एवं आत्मिक संतुलन का अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह



एलिट के अध्यक्ष राहुल बर्मन ने कहा कि आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में व्यक्ति शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक शांति के लिए भी संघर्ष कर रहा है। ऐसे समय में मेडिटेशन हमारे जीवन में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नियमित ध्यान तनाव

कम करने, एकाग्रता बढ़ाने, सकारात्मक सोच विकसित करने और जीवन में संतुलन बनाए रखने में सहायक होता है।

उन्होंने कहा, “मेडिटेशन केवल कुछ समय आंखें बंद करके बैठना नहीं, बल्कि स्वयं से जुड़ने और अपने भीतर की सकारात्मक

ऊर्जा को पहचानने की एक सुंदर प्रक्रिया है। जब मन शांत होता है, तो जीवन की चुनौतियों का सामना करने की हमारी क्षमता भी बढ़ती है।”

श्री बर्मन ने कहा कि लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलिट का उद्देश्य केवल सेवा कार्यों तक

सीमित नहीं है, बल्कि समाज को स्वस्थ, सकारात्मक और संतुलित जीवन की दिशा में प्रेरित करना भी है। क्लब भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी एवं जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा देता रहेगा।

कार्यक्रम में रेड क्रॉस सोसाइटी के चेयरमैन अरविंद कुमार, लायन मसरूर आलम सिद्दीकी, डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन लायन राजेश गुप्ता, लायन सब्बीर आलम, लायन सत्रू धन सिंह एवं लायन अरुण साव सहित लायंस क्लब के अनेक सदस्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सहज

मेडिटेशन संस्था के संचालक राहुल कृष्ण जी एवं सहज सहयोग समिति के सदस्यों ने उपस्थित लोगों को मेडिटेशन की प्रक्रिया एवं उसके महत्व से अवगत कराया तथा ध्यान के माध्यम से मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन प्राप्त करने के विभिन्न पहलुओं पर मार्गदर्शन दिया।

कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह एलिट ने सहज मेडिटेशन संस्था, राहुल कृष्णा जी, सहज सहयोग समिति के सभी सदस्यों तथा रेड क्रॉस सोसाइटी के प्रति आभार व्यक्त किया।

न्यूज | ब्रीफ

सेवा संकल्प अभियान में जुटे भाजपा कार्यकर्ता



■ ओटीसी ग्राउंड में विकसित भारत संकल्प सभा, प्रधानमंत्री का संबोधन लाइव सुना

रांची : सेवा संकल्प अभियान के तहत गुरुवार को ओटीसी ग्राउंड, रांची में विकसित भारत संकल्प सभा एवं सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम आयोजित किया गया।खिजरी मंडल अध्यक्ष समीर राॅय के नेतृत्व में मंडल के नेता एवं सैकड़ों कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यकर्ताओं की सहभागिता से कार्यक्रम में उत्साह का माहौल रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन का लाइव वीडियो प्रसारण किया गया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के विचारों को सुना। संबोधन में विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के संकल्प और सेवा भावना को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया।कार्यक्रम में भाजपा झारखंड प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू, प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय, छत्तीसगढ़ प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ तथा प्रदेश सह प्रभारी सौरभ सिंह, पूर्वी जिलाध्यक्ष विनय महतो धीरज की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर वक्ताओं ने सेवा, जनभागीदारी और राष्ट्र निर्माण से जुड़े प्रयासों को आगे बढ़ाने की बात कही। खिजरी मंडल के कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। मंडल अध्यक्ष समीर राॅय ने कार्यकर्ताओं की सहभागिता के लिए आभार जताया। उन्होंने कहा कि सेवा और जनसरोकार से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के बीच सक्रिय भागीदारी को मजबूत किया जा सकता है।

बरहमसिया में दो बंद घरों समेत राशन दुकान में चोरी, लाखों की संपत्ति ले उड़े चोर



■ एक घर से 2 लाख नकद व 5 लाख के जेवरगत गायब, राशन दुकान से भी 3.30 लाख की संपत्ति चोरी

बिरनी/गिरिडीह। बिरनी प्रखंड क्षेत्र में चोरों ने बुधवार की रात तीन अलग-अलग स्थानों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देकर पुलिस के सामने चुनौती खड़ी कर दी। बरहमसिया पंचायत के रामनगर में दो बंद घरों को निशाना बनाया गया, जबकि खरखरी पंचायत के सोनबिरही में एक राशन दुकान का ताला तोड़कर चोरों ने नगदी समेत लाखों की संपत्ति पर हाथ साफ कर दिया। रामनगर निवासी रिकू मोदी के बंद घर से चोरों ने गोदरेज में रखे करीब 2 लाख रुपये नकद और लगभग 5 लाख रुपये मूल्य के जेवरगत चोरी कर लिए। बताया गया कि रिकू मोदी अपनी पत्नी के साथ बुधवार को डॉक्टर के पास गए थे। इसी दौरान चोरों ने बंद घर का फायदा उठाकर घटना को अंजाम दिया। इसी गांव में रामसहाय यादव के बंद घर का भी ताला तोड़ा गया। हालांकि घर के अंदर कोई विशेष सामान नहीं होने के कारण चोरों के हाथ कुछ नहीं लगा और उन्हें खाली हाथ लौटना पड़ा। वहीं खरखरी पंचायत के सोनबिरही में रवि साव की राशन दुकान को भी चोरों ने निशाना बनाया। दुकान का ताला तोड़कर करीब 2 लाख रुपये नकद, 70 हजार रुपये की सामग्री और 60 हजार रुपये के जेवरगत, यानी कुल करीब 3 लाख 30 हजार रुपये की संपत्ति चोरी कर ली गई। बताया गया कि रवि साव प्रतिदिन अपनी दुकान में ही सोते थे। बुधवार की रात अचानक बरिश होने के कारण वे दुकान के बजाय अपने घर में सोने चले गए। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया। घटना का समय रात करीब 12 से 1 बजे के बीच बताया जा रहा है। चोरी की सूचना मिलने के बाद बिरनी पुलिस देर रात घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जानकारी ली। गुरुवार को पीड़ितों ने बिरनी थाना में लिखित शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से उठ रहे सुरक्षा पर सवाल बिरनी प्रखंड क्षेत्र में लगातार चोरी और आपराधिक घटनाएं सामने आने से ग्रामीणों में सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ रहे हैं और वे बिरनी क्षेत्र को सुरक्षित ठिकाना समझकर आए दिन घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। लगातार हो रही घटनाओं के बावजूद चोरी की वारदातों पर प्रभावी अंकुश नहीं लगने से पुलिस की गश्ती और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से रात में गश्ती बढ़ाने, सड़िध गतिविधियों पर नजर रखने और चोरी की घटनाओं का शीघ्र उद्देदन करने की मांग की है।

आगामी दुर्गा पूजा को लेकर गलफरबाड़ी ओपी परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न, सुरक्षा व्यवस्था पर बनी रणनीति

रफ़्तार मीडिया

कुमारधुबी-दुर्गापूजा को शांतिपूर्ण व सोहार्द पूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर आज गुरुवार को गलफरबाड़ी ओपी परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न। वहीं बैठक की अध्यक्षता गलफरबाड़ी ओपी प्रभारी शेखर कुमार ने किया व संचालन नगेंद्र कुमार ने किया। इसमें जनप्रतिनिधियों

पूजा समितियां प्रबुद्ध लोगों की मौजूदगी में सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था को लेकर कड़े दिशा निर्देश तय किए गए। इस

संबंध में जानकारी देते हुए निरसा एसडीपीओ लीलेश्वर महतो ने कहा कि आगामी दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न

डिजिटल साक्ष्य के संग्रहण व संरक्षण को लेकर

आरपीएफ जवानों को दिया प्रशिक्षण

रफ़्तार मीडिया/गयाजी

प्रभात सिन्हा

गया जी :: रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट गया जी में गुरुवार को तकनीकी एवं डिजिटल साक्ष्यों के संग्रहण, संरक्षण, प्रलेखन तथा न्यायालय के समक्ष प्रस्तुतीकरण को लेकर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। सहायक सुरक्षा आयुक्त संजय कुमार सिंह एवं पोस्ट प्रभारी निरीक्षक बनारसी यादव की उपस्थिति में रेल उपाधीक्षक गया गुलशन कुमार

ने आरपीएफ के अधिकारियों एवं जवानों को प्रशिक्षण दिया।

प्रशिक्षण के दौरान गुलशन कुमार ने बताया कि वर्तमान समय में आपराधिक घटनाओं की जांच में सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल फोन, फोटो-वीडियो, इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज, सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल उपकरणों से प्राप्त साक्ष्य की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे साक्ष्यों को प्राप्त करते समय उनकी मौलिकता और विश्वसनीयता बनाए रखना बेहद

जरूरी है।

उन्होंने डिजिटल साक्ष्यों के सुरक्षित संग्रहण, संरक्षण, सीलिंग एवं रख-रखाव, उचित प्रलेखन

तथा साक्ष्य की शृंखला (चैन ऑफ कस्टडी) बनाए रखने की प्रक्रिया की जानकारी दी। साथ ही सक्षम न्यायालय या जांच अधिकारी के

सीयूएसबी में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और खेल विज्ञान के एकीकरण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी शुभारंभ

रफ़्तार मीडिया/गयाजी

प्रभात सिन्हा

गया जी:- दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) गयाजी में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) द्वारा प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का गुरुवार को शुभारंभ हुआ। शिक्षा संकाय के अंतर्गत शारीरिक शिक्षा विभाग की ओर से आयोजित संगोष्ठी का विषय ‘शारीरिक शिक्षा एवं खेल विज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एकीकरण : अवसर, चुनौतियाँ एवं भविष्य की संभावनाएँ’ है। संगोष्ठी का आयोजन कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह के संरक्षण में किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि बिहार खेल विश्वविद्यालय, राजगीर के कुलपति शिशिर सिन्हा ने खेलों में तकनीकी नवाचार, खिलाड़ियों के

प्रदर्शन के वैज्ञानिक विश्लेषण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की संभावनाओं पर विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारत सहित पूरी दुनिया में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को तेजी से अपनाया जा रहा है, लेकिन यह मानव मस्तिष्क की विशिष्ट क्षमताओं का स्थान नहीं ले सकती। उन्होंने मानवीय मूल्यों और नैतिकता को ध्यान में रखते हुए एआई के उपयोग पर जोर दिया। अध्यक्षीय संबोधन में सीयूएसबी के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्र ‘सूचना प्रौद्योगिकी + भारतीय

प्रतिभा = भारत का भविष्य’ का उल्लेख करते हुए कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी और भारतीय प्रतिभा देश के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि संगोष्ठी के माध्यम से ऐसे सार्थक निष्कर्ष सामने आने की उम्मीद है, जिन्हें नीति-निर्माताओं के साथ साझा किया जा सके। उन्होंने शिक्षा और खेल विज्ञान के बदलते परिदृश्य में अनुसंधान एवं नवाचार की आवश्यकता तथा विद्यार्थियों और शोधार्थियों के लिए उभरते अवसरों पर भी प्रकाश डाला।

सी-डैक पटना और एसबीयू के बीच हुआ समझौता

शोध एवं तकनीकी सहयोग को मिलेगा बढ़ावा

रफ़्तार मीडिया

नामकुम : सरला बिरला विश्वविद्यालय (एसबीयू), रांची और सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक), पटना के बीच अकादमिक, शोध, नवाचार और तकनीकी सहयोग को मजबूत करने के उद्देश्य से समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू पर हस्ताक्षर सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान किए गए। इस अवसर पर सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, माननीय कुलपति प्रो. सी. जगनाथन एवं कुलसचिव प्रो. एस. बी. दंडीन सहित विश्वविद्यालय के डीन, एसोसिएट डीन, विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ शिक्षक उपस्थित रहे। सी-डैक पटना की ओर से वरिष्ठ वैज्ञानिक सह केंद्र प्रमुख अभिनव दीक्षित, वैज्ञानिक निशांत कुमार

शेखर, साकेत झा तथा अमरजीत शर्मा कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में सी-डैक की विभिन्न गतिविधियों तथा विश्वविद्यालय के साथ संभावित सहयोग के प्रमुख बिंदुओं, डिजिटल ट्विनिंग, स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट, साइबर सिक्योरिटी, क्वांटम कंप्यूटिंग, एआई/एमएल इत्यादि से संबंधित प्रस्तुति दी गई। तत्पश्चात दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने एमओयू पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए। इस समझौते के माध्यम से संयुक्त शोध एवं विकास, प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं, सेमिनार,

इंटर्नशिप, छात्र परियोजनाएं, कौशल विकास, क्षमता निर्माण तथा तकनीक आधारित शैक्षणिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। इससे एसबीयू के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं शोधार्थियों को उभरती तकनीकों से जुड़ने तथा सी-डैक के साथ संयुक्त शोध के नए अवसर प्राप्त होंगे।एसबीयू के माननीय प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दत्ताएन एवं माननीय राज्यसभा सांसद सह निदेशक प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने इस एमओयू पर हर्ष व्यक्त किया है।

सरिया अंचल कार्यालय में कर्मचारी अनिल चौधरी को दी गई भावभीनी विदाई

■ बिरनी तबादला होने पर सहकर्मियों ने शॉल और बुके देकर दी शुभकामनाएं

रफ़्तार मीडिया

सरिया। सरिया अंचल कार्यालय में कर्मचारी अनिल चौधरी के बिरनी अंचल में तबादला होने पर विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में अंचल कार्यालय के पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अनिल चौधरी को शॉल ओढ़ाकर एवं बुके भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर सरिया अंचलाधिकारी

संतोष कुमार समेत कार्यालय के अन्य कर्मी मौजूद रहे। समारोह के दौरान सहकर्मियों ने अनिल चौधरी के साथ कार्य करने के अनुभवों को साझा करते हुए उनके कार्यशैली, व्यवहार एवं जिम्मेदारियों के प्रति समर्पण की सराहना की।

सरिया सीओ संतोष कुमार ने कहा कि अनिल चौधरी ने अपने कार्यकाल के दौरान जिम्मेदारियों का बेहतर ढंग से निर्वहन किया

और कार्यालय के कार्यों में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा में स्थानांतरण एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन अच्छे सहकर्मों की कमी हमेशा महसूस होती है। अनिल चौधरी के अनुभव और कार्य करने की शैली का लाभ बिरनी में भी वहां के कार्यालय और आम लोगों को मिलेगा। उन्होंने उनके नए कार्यस्थल पर बेहतर कार्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विदाई समारोह में विकास कुमार, विकास शर्मा, विशाल, चंद्रकांत कुमार, धनंजय कुमार, सजान साव समेत अन्य कर्मी मौजूद रहे।

●●●●●

●●●●●

●●●●●

●●●●●

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक संपन्न, सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

लातेहार। आगामी दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर गुरुवार को समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त संदीप कुमार ने की। इस दौरान जिले में सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने सभी प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारियों को दुर्गा पूजा के दौरान पूरी सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी अंचल अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्र में शांति समिति की बैठक आयोजित करने को कहा। साथ ही संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी एवं नियमित गश्ती सुनिश्चित करने का



निर्देश दिया। उपायुक्त ने सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखने की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि त्योंहार के दौरान किसी शरारती तत्व द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने या माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया तो उसके विरुद्ध कड़ी

कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों एवं दंडाधिकारियों को पूरी सजगता के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। बैठक में पूजा पंडाल समितियों को भी कई निर्देश दिए गए। समितियों से कहा गया कि पंडालों में किसी भी प्रकार के भड़काऊ या अश्लील

गाणों का प्रयोग नहीं किया जाए। पूजा समितियां अपने लाइसेंस का नवीनीकरण करा लें तथा पंडालों में सीसीटीवी कैमरे एवं पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने कहा कि दुर्गा पूजा को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस पूरी

तरह सतर्क है। सोशल मीडिया पर विशेष नजर रखी जाएगी और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि दुर्गा पूजा के दौरान डीजे पर पूर्णतः पाबंदी रहेगी। विसर्जन निर्धारित मार्ग से ही कराया जाएगा। विसर्जन के दौरान बिजली सेवा बाधित रहने की स्थिति को देखते हुए संबंधित मार्ग पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने आम लोगों से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और दुर्गा पूजा के दौरान जिले में शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें। आपात स्थिति में इन नंबरों पर करें संपर्क। जिला प्रशासन की ओर से दुर्गा पूजा के दौरान किसी भी प्रकार की सहायता या आपात स्थिति में सूचना देने के लिए 24

घंटे कंट्रोल रूम की व्यवस्था की गई है। लोग 06565-247981, कंट्रोल रूम मोबाइल 08987796308, साइबर सेल मोबाइल 6206159795 अथवा 112 पर सूचना दे सकते हैं। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष पुनम देवी, उप विकास आयुक्त सैय्यद रियाज अहमद, आइटीडीए निदेशक सरोजनी ऐनी तिकी, सिविल सर्जन राजमोहन खलखो, जिला उपनिर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार, अनुमंडल पदाधिकारी महुआडांड, जिला परिवहन पदाधिकारी, नगर पंचायत अध्यक्ष महेश सिंह, नगर पंचायत उपाध्यक्ष संतोष रंजन, विधायक प्रतिनिधि, सभी विभागों के कार्यपालक अभियंता, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, थाना प्रभारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जनवरी से मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दिखेगा बदलाव, मरीजों को मिलेगी बेहतर सुविधा

हजारीबाग (रफ़्तार मीडिया संवाददाता)।



शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने को लेकर पहल तेज हो गई है। सांसद मनीष जायसवाल के निर्देश पर उनके सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने गुरुवार को मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सुनील कुमार वर्मा से मुलाकात कर अस्पताल की प्रमुख समस्याओं को उठाया। रंजन चौधरी ने ट्रॉमा सेंटर में 24 घंटे सीनियर फिजिशियन और सीनियर सर्जन की ड्यूटी सुनिश्चित करने, खराब पड़ी सी-आर्म मशीन को तत्काल दुरुस्त कराने, अतिरिक्त सी-आर्म मशीन उपलब्ध कराने तथा अस्पताल की खराब लिफ्टों की मरम्मत की मांग की। उन्होंने मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए मेडिकल कॉलेज परिसर में तैयार हो रहे नए भवन में ओपीडी शिफ्ट करने का भी आग्रह किया। प्राचार्य ने बताया कि ओपीडी भवन दिसंबर के अंत तक हैंडओवर होने की उम्मीद है। इसके बाद जनवरी 2027 में ओपीडी को मेडिकल कॉलेज परिसर में शिफ्ट करने की दिशा में पहल की जाएगी। सी-आर्म मशीन को तत्काल दुरुस्त कराने का निर्देश संबंधित विभाग को दिया गया है, जबकि नई मशीन खरीदने की प्रक्रिया भी चल रही है। प्राचार्य ने ट्रॉमा सेंटर में सीनियर चिकित्सकों की नियमित ड्यूटी सहित सभी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया। मौके पर राजकरण पांडेय, दीपक सिंह, अरुंज सिन्हा, रूपेश दास और उमंग सोनी समेत अन्य लोग मौजूद थे।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम, नामकुम के अधिकारी ने राजेश कच्छप से मिलकर जाताया आभार



रांची : कर्मचारी राज्य बीमा निगम, नामकुम में मेडिकल कॉलेज संचालित/स्थापित करने के संबंध में खिजरी विधायक सह कग्रिस विधायक दल के उपनेता राजेश कच्छप द्वारा मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र के संदर्भ में ESIC नामकुम के अधिकारियों ने विधायक से मुलाकात की। इस दौरान ESIC हॉस्पिटल नामकुम के रीजनल डायरेक्टर शिवेंद्र कुमार, असिस्टेंट डायरेक्टर अभिषेक कुमार, विनय जायसवाल एवं करतार सिंह ने खिजरी विधायक राजेश कच्छप जी से मुलाकात कर मेडिकल कॉलेज के विद्यार्थियों को जुड़े विषय पर चर्चा की तथा इस दिशा में पहल करने के लिए धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि नामकुम में ESIC की सुविधाओं का विस्तार होने से बीमित कर्मचारियों एवं उनके आश्रितों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी। साथ ही झारखंड के विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में भी अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि एस्क नामकुम में मेडिकल कॉलेज की स्थापना/संचालन के लिए आवश्यक स्तर पर पहल और समन्वय जारी रहेगा।

रूपी सोरेन को अंतिम विदाई : नम आंखों से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी मुखान्नि

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

नेमरा/रांची: झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की माता दिवंगत रूपी सोरेन का गुरुवार को उनके वैतृक गांव नेमरा स्थित श्मशान घाट पर पारंपरिक रीति रिवाज के साथ अंतिम संस्कार किया गया। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपनी माता को मुखान्नि दी। मुखान्नि के दौरान मुख्यमंत्री समेत वहां मौजूद परिजनों और हजारों लोगों की आंखें नम हो गईं।

अंतिम दर्शन के लिए उमड़ा जनसैलाब

रूपी सोरेन के अंतिम दर्शन और उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए नेमरा में जनसैलाब उमड़ पड़ा। बता दे,दूर दराज के क्षेत्रों से बड़ी



संख्या में ग्रामीण, समर्थक, राजनीतिक दलों के नेता, सामाजिक कार्यकर्ता और प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे। शव यात्रा में भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए और श्मशान घाट तक साथ गए।अंतिम विदाई के दौरान नेमरा का माहौल पूरी तरह गमगीन

रहा। गांव के लोगों ने नम आंखों से रूपी सोरेन को श्रद्धांजलि दी। अंतिम यात्रा में शामिल लोगों ने उनके सादगीपूर्ण जीवन और संघर्षों को याद किया।

सादगी और संघर्ष की प्रतिमूर्ति थीं रूपी सोरेन

दिवंगत रूपी सोरेन को झारखंड



आंदोलन के दौर से लेकर अब तक सादगी, त्याग और संघर्ष की प्रतिमूर्ति के रूप में याद किया गया। उन्होंने अपने पारिवारिक दायित्वों के साथ सामाजिक जीवन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके निधन से झारखंड ने एक

ईश्वर से प्रार्थना की।

खो दिया है।रूपी सोरेन के निधन पर विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और आम लोगों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन एवं उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। लोगों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए

दुर्गा पूजा पंडालों की सुरक्षा व्यवस्था का एसडीपीओ ने लिया जायजा, दिए जरूरी निर्देश

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

छतरपुर (पलामू)। दुर्गा पूजा को लेकर छतरपुर अनुमंडल पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) प्रशांत कुमार ने विभिन्न दुर्गा पूजा पंडालों का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसडीपीओ ने पूजा समितियों के पदाधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने पंडाल परिसर में श्रद्धालुओं की संभावित भीड़, प्रवेश एवं निकास व्यवस्था, बैरिकेडिंग, फार्किंग, रोशनी, बिजली व्यवस्था, अग्नि सुरक्षा तथा सीसीटीवी कैमरों की स्थिति का निरीक्षण किया। एसडीपीओ ने पूजा समितियों को निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पंडालों में पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवकों की



तैनाती करें। भीड़ बढ़ने की स्थिति में प्रवेश और निकास व्यवस्था को नियंत्रित रखा जाए। उन्होंने महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने तथा पंडाल और आसपास के इलाकों में सदिध गतिविधियों पर नजर रखने का निर्देश दिया। किसी सदिध व्यक्ति या वस्तु को जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने की अपील की गई। साथ ही अश्लील, आपत्तिजनक, भड़काऊ अथवा सांप्रदायिक गीत, नारे और किसी

भी तरह की विवादित सामग्री से बचने का निर्देश दिया गया। एसडीपीओ प्रशांत कुमार ने पूजा समितियों एवं आम लोगों से सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों और भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान नहीं देने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी संवेदनशील या विवादित स्थिति की जानकारी तत्काल पुलिस को दी जाए, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि दुर्गा पूजा के दौरान कानून-व्यवस्था से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उपद्रव, छेड़छाड़, नशे में हुड़दंग, तेज रफ्तार वाहन चलाने अथवा अन्य आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। निरीक्षण के दौरान सर्किट इंसपेक्टर द्वारिका राम, थाना प्रभारी सौरभ चौबे सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

बारिश बनी बाधा, छक्कों ने बढ़ाई धड़कनें, तुलस्यान मेटल ने आनंद विहार रॉयल्स को हराकर जीता एपीएल खिताब

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

झुमरीतिलैया। आसमान से बरसती तेज बारिश, गीली होती पिच और मैदान पर फिसलते खिलाड़ियों के बीच भी क्रिकेट का जुनून कम नहीं हुआ। बारिश बार-बार खेल में बाधा बनती रही, लेकिन खिलाड़ियों ने मैदान छोड़ने के बजाय मुकाबला जारी रखा। कभी क्षेत्ररक्षक फिसलते नजर आए तो कभी बल्लेबाज के हाथ से बल्ला छूट गया। इसी रोमांचक माहौल में लगे चौके-छक्कों ने दर्शकों का उत्साह बनाए रखा। आखिरकार बारिश से प्रभावित 11 ओवर के फाइनल में तुलस्यान मेटल ने आनंद विहार रॉयल्स को चार विकेट से हराकर एपीएल 2026 सीजन-2 का खिताब अपने नाम कर लिया।अग्रवाल समाज, झुमरीतिलैया के तत्वावधान में आयोजित एपीएल 2026 सीजन-2 के चौथे एवं समापन दिवस पर महिला वर्ग की तीन मैचों की श्रृंखला का अंतिम मुकाबला और



पुरुष वर्ग का फाइनल खेला गया। पूरे आयोजन के दौरान बच्चों, महिलाओं और पुरुषों के मुकाबलों ने खेल प्रेमियों को रोमांच से जोड़े रखा। पुरुष वर्ग का फाइनल आनंद विहार रॉयल्स और तुलस्यान मेटल के बीच खेला गया। बारिश के कारण मुकाबले की 11 ओवर का कर दिया गया। मैदान पर लगातार बारिश का असर दिखाई दे रहा था, लेकिन खिलाड़ियों का उत्साह कम नहीं हुआ। गीले मैदान पर क्षेत्ररक्षकों को कई बार संभलकर खेलना पड़ा और एक अवसर पर

फील्डर फिसलते हुए भी नजर आए।बारिश के बीच बल्लेबाजी करना भी आसान नहीं था। मुकाबले के दौरान बल्लेबाज के हाथ से बल्ला तीन बार छूट गया, लेकिन खेल की रफ्तार पर इसका असर नहीं पड़ा। दूसरी ओर बल्लेबाजों ने मौका मिलते ही चौके और छक्के लगाकर दर्शकों में जोश भर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आनंद विहार रॉयल्स ने 11 ओवर में 44 रन बनाए। टीम की ओर से हार्दिक लड्डा ने सर्वाधिक 17 रन बनाए।

उन्हें तुलस्यान मेटल के गेंदबाज अंकित खेतान ने आउट किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी तुलस्यान मेटल की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। इसके बाद अमित तुलस्यान और अंकित केडिया ने पारी को संभाला और टीम को लक्ष्य की ओर बढ़ाया। मुकाबला उस समय बेहद रोमांचक हो गया, जब कुशल अग्रवाल ने लगातार दो शानदार छक्के लगाकर मैच का रुख तुलस्यान मेटल के पक्ष में कर दिया। बारिश और गीले मैदान के बीच लगाए गए इन छक्कों ने दर्शकों में जबरदस्त उत्साह भर दिया। अंततः तुलस्यान मेटल ने चार विकेट से जीत दर्ज करते हुए एपीएल सीजन-2 की विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली। फाइनल में शानदार प्रदर्शन करने वाले अंकित खेतान को मैन ऑफ द मैच चुना गया। वहीं पूरे टूर्नामेंट में लगातार प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए उन्हें अध्यक्ष कैलाश चौधरी, सचिव संजीव खेतान, जयंती संयोजक मनोज पिलानियां, अंकित चौधरी,

योगदान दिया और कई मुकाबलों में टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। महिला वर्ग में कामधेनु क्वींस और टाटा मोटर्स चैलेंजर्स के बीच तीन मैचों की श्रृंखला खेली गई। अंतिम मुकाबले में भी कामधेनु क्वींस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की और श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर क्लीन स्वीप किया। अंतिम मुकाबले में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए रिचा खाटुवाला को घुमन ऑफ द मैच चुना गया। समापन समारोह की मुख्य अतिथि डीएसपी निधि अग्रवाल थीं। उन्होंने कहा कि एपीएल जैसे आयोजन समाज के लोगों और विशेषकर युवाओं में खेल के प्रति उत्साह पैदा करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ आगे बढ़ने और निरंतर अभ्यास करने के लिए प्रेरित करते हुए सफल आयोजन के लिए आयोजकों को बधाई दी। समापन समारोह में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष कैलाश चौधरी, सचिव संजीव खेतान, जयंती संयोजक मनोज पिलानियां, अंकित चौधरी,

सह संयोजक नेहा हिसारिया, सारिका लड्डा, परियोजना निदेशक शैलजा केडिया, रिचा खाटुवाला सहित समाज के पूर्व अध्यक्ष और कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। एपीएल को सफल बनाने में परियोजना निदेशक विजय बजाज, अंकित खेतान, मिशंक केडिया, हर्षित सिंघानिया, मिहिर खेतान एवं अर्पित सिंघानिया के प्रयासों की विशेष रूप से सराहना की गई। आयोजन समिति, टीम प्रबंधन, खिलाड़ी, प्रायोजक, स्वयंसेवक और समाज के सदस्यों के योगदान के लिए उनका अभिनंदन किया गया। चार दिनों तक चले एपीएल 2026 सीजन-2 में क्रिकेट के साथ समाज की एकजुटता, आपसी सौहार्द और खेल भावना का भी प्रदर्शन हुआ। बच्चों, महिलाओं और पुरुषों के मुकाबलों ने प्रतियोगिता को विशेष बनाया। बारिश के बीच फाइनल का रोमांच और तुलस्यान मेटल की जीत ने एपीएल के दूसरे सत्र को यादगार समापन दिया।

समाचार सार

नौ वर्षों से बंद सामुदायिक शौचालय, मनातू प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल



मेदिनीनगर(रफ़्तार मीडिया संवाददाता): पलामू के मनातू मंगल हाट बाजार में हर सप्ताह करीब दो हजार लोगों की भीड़ जुटती है, लेकिन महिलाओं की बुनियादी सुविधा को लेकर प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बाजार परिसर में बना सामुदायिक शौचालय स्थानीय लोगों के अनुसार करीब नौ वर्षों से बंद पड़ा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जिस सुविधा का उद्देश्य आम लोगों, खासकर महिलाओं को राहत देना था, वह नौ वर्षों बाद भी उपयोग के लायक क्यों नहीं हो सकी? स्थानीय महिलाओं का कहना है कि हाट में खरीदारी के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं पहुंचती हैं, लेकिन शौचालय की सुविधा नहीं मिलने से उन्हें परेशानी उठानी पड़ती है। ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर इतने लंबे समय से बंद पड़ी सरकारी सुविधा की जिम्मेदारी तय करने और उसे दोबारा चालू कराने की पहल क्यों नहीं हुई? इसी बीच ग्रामीणों ने मनातू प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर भी नाराजगी जताई है। उनका आरोप है कि जमाबंदी से जुड़े विवादों के साथ-साथ जाति और आय प्रमाणपत्र समय पर जारी नहीं होने से आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अब सवाल मनातू प्रशासन से है—नौ वर्षों से बंद सामुदायिक शौचालय का ताला आखिर कब खुलेगा? महिलाओं को बुनियादी सुविधा कब मिलेगी? और ग्रामीणों को शिकायतों पर जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई कब होगी? प्रशासन की अगली कार्रवाई पर ग्रामीणों की नजर टिकी है।

मनातू में प्रशासनिक लापरवाही का प्यासा चेहरा :आठ साल से ब्लॉक गेट पर बंद पड़ा पेयजल सिस्टम



पलामू (रफ़्तार मीडिया संवाददाता)। जिस प्रखंड कार्यालय के दरवाजे पर आम गरीब अपनी फरियाद लेकर पहुंचता है, उसी ब्लॉक गेट के सामने अगर पीने का पानी तक न मिले तो सवाल उठना लाजिमी है। मनातू प्रखंड कार्यालय के मुख्य गेट पर लगा पेयजल सिस्टम करीब आठ वर्षों से बंद पड़ा होने का आरोप है। यानी वर्षों से लोग आते रहे, जाते रहे, अधिकारी बदलते रहे, लेकिन पानी की व्यवस्था जस की तस पड़ी रही। दूर-दराज के गांवों से अपनी समस्याएं लेकर ब्लॉक पहुंचने वाले ग्रामीणों के लिए यह सिर्फ एक खराब नल या बंद सिस्टम का मामला नहीं, बल्कि बुनियादी सुविधा के नाम पर प्रशासनिक उदासीनता का बड़ा सवाल बन गया है। विडंबना देखिए—एक तरफ मनातू अंचल में जमाबंदी और कथित दोहरी जमाबंदी से जुड़े मामलों को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं, दूसरी तरफ ब्लॉक के मुख्य गेट पर वर्षों से बंद पड़ी पेयजल व्यवस्था भी व्यवस्था की तस्वीर सामने रख रही है। ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर आठ साल तक एक पेयजल सिस्टम की मरम्मत क्यों नहीं हो सकी? क्या किसी अधिकारी ने कभी ब्लॉक गेट के सामने खड़े होकर यह देखने की जरूरत महसूस नहीं की कि आम जनता को पानी मिल भी रहा है या नहीं? मनातू के अंचलाधिकारी-सह-प्रखंड विकास पदाधिकारी मदन कुमार सोमन से ग्रामीण तत्काल पहल की मांग कर रहे हैं। अब देखना यह है कि वर्षों से सूखा पड़ा यह पेयजल सिस्टम कब चालू होता है और जिम्मेदारों की जवाबदेही कब तय होती है। क्योंकि सवाल सिर्फ पानी का नहीं है—सवाल है कि सरकारी दप्तर के दरवाजे पर आम आदमी की बुनियादी जरूरत आखिर कब दिखाई देगी?

एनजीटी की रोक के बावजूद अवैध बालू कारोबार, रहिया में बालू लदा ट्रैक्टर जब्त



पलामू (रफ़्तार मीडिया संवाददाता): पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र में एनजीटी की रोक के बावजूद अवैध बालू परिवहन का मामला सामने आया है। मनातू थाना पुलिस ने रहिया गांव में कार्रवाई करते हुए अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। पुलिस के अनुसार, जब ट्रैक्टर का रजिस्ट्रेशन भी नहीं है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि मनातू थाना पुलिस को क्षेत्र में अवैध रूप से बालू परिवहन किए जाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए रहिया गांव से बालू लदे ट्रैक्टर को पकड़ा। जांच में ट्रैक्टर का रजिस्ट्रेशन नहीं पाए जाने की बात सामने आई है। पुलिस बालू के स्रोत और इसके परिवहन से जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है। इधर, एनजीटी की रोक और प्रशासन की ओर से अवैध बालू खनन पर परिवहन पर कार्रवाई के दावों के बीच क्षेत्र में बालू का कारोबार जारी रहने से निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब बालू के अवैध परिवहन पर रोक है तो आखिर किन परिस्थितियों में बिना रजिस्ट्रेशन वाले ट्रैक्टर से बालू की दुलाई की जा रही थी? जिला खनन पदाधिकारी सुनील कुमार ने बताया कि बालू के अवैध परिवहन पर निगरानी और कार्रवाई को लेकर प्रखंड स्तर पर अंचलाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ऐसे में रहिया में अवैध बालू लदा ट्रैक्टर पकड़े जाने के बाद यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि अंचल स्तर पर निगरानी व्यवस्था के बावजूद बालू का अवैध परिवहन कैसे हो रहा था। क्या संबंधित क्षेत्र में बालू के परिवहन की नियमित निगरानी की जा रही थी? यदि निगरानी हो रही थी तो अवैध बालू लदा ट्रैक्टर संबंधित अधिकारियों की नजर से कैसे बच गया? एनजीटी की रोक के बावजूद बालू की दुलाई का मामला सामने आने से यह भी सवाल उठ रहा है कि बालू कहाँ से निकाला जा रहा है और किन रास्तों से इसे गंतव्य तक पहुंचाया जा रहा है। खासकर बिना रजिस्ट्रेशन वाले ट्रैक्टर से परिवहन किए जाने के मामले में संबंधित विभागीय निगरानी की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई है। फिलहाल मनातू पुलिस जब्त ट्रैक्टर की जांच कर रही है। जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि बालू कहाँ से लाया गया था और इसके परिवहन में कौन-कौन लोग शामिल थे। हालांकि, इस कार्रवाई ने प्रखंड स्तर पर अवैध बालू परिवहन की निगरानी और जिम्मेदारी को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

धनबाद में 10 हजार वर्ग फीट में बनेगा स्किल ट्रेनिंग व टेक्सटाइल सेंटर, अग्नि-प्रभावित परिवारों को मिलेगा रोजगार



उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सन्नी राज ने बीसीसीएल और आदित्य बिड़ला ग्रुप के साथ किया स्थल निरीक्षण।

बेलगढ़िया टाउनशिप में रह रहे विस्थापित परिवारों और स्थानीय युवाओं को मिलेगा सीधा लाभ। आवासीय सुविधा के साथ अत्याधुनिक वस्त्र (टेक्सटाइल) उद्योग का दिया जाएगा प्रशिक्षण।

जिला परिषद के भवनों की स्थिति और उपयोगिता का संयुक्त टीम ने लिया जायजा।

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : धनबाद जिले के युवाओं को कौशल विकास से जोड़कर स्वावलंबी बनाने और बेलगढ़िया टाउनशिप में पुनर्वासित अग्नि-प्रभावित परिवारों के लिए स्थायी आजीविका सुनिश्चित करने की दिशा में जिला प्रशासन ने एक बड़ी पहल की है। धनबाद में लगभग 10,000 वर्ग फीट क्षेत्र में एक अत्याधुनिक 'स्किल ट्रेनिंग एवं टेक्सटाइल सेंटर' का निर्माण किया जाएगा।

डीडीसी ने टीम के साथ किया स्थलों का मुआयना

इस महत्वाकांक्षी परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने बीसीसीएल तथा आदित्य बिड़ला ग्रुप के प्रतिनिधियों के साथ चिन्हित स्थलों का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि इस संयुक्त दौरे का मुख्य उद्देश्य 10 हजार वर्ग फीट में बने मौजूदा भवन का अध्ययन करना था, ताकि वहां एक आधुनिक स्किल ट्रेनिंग और टेक्सटाइल ट्रेनिंग-सह-आवासीय परिसर स्थापित करने की संभावनाओं का

सही मूल्यांकन किया जा सके। **महिलाओं और युवाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के द्वार** इस प्रस्तावित कौशल प्रशिक्षण केंद्र से धनबाद के आम नागरिकों के साथ-साथ विशेष रूप से बेलगढ़िया टाउनशिप में रह रहे बीसीसीएल के अग्नि-प्रभावित परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। इस केंद्र के माध्यम से युवाओं और महिलाओं को वस्त्र (टेक्सटाइल) उद्योग से जुड़े आधुनिक कौशल सिखाए जाएंगे, जिससे उनके लिए प्रत्यक्ष रोजगार, और वृद्धि और दीर्घकालिक आजीविका के नए द्वार खुलेंगे।

राजस्व और सामाजिक कल्याण का बनेगा स्थायी मॉडल निरीक्षण के दौरान संयुक्त दल ने जिला परिषद के कार्यपालक अभियंता की उपस्थिति में जिला परिषद के भवनों की वर्तमान स्थिति, संरचनात्मक मजबूती और कार्यात्मक उपकीर्तिता का गहन जायजा लिया। इस दौरान यह भी परखा गया कि किस प्रकार इन संरचनाओं का सदुपयोग करते हुए इसे राजस्व अर्जन और सामाजिक कल्याण के एक स्थायी मॉडल के रूप में विकसित किया जा सकता है। **ये अधिकारी रहे मौजूद** निरीक्षण दल द्वारा तैयार की गई तकनीकी रिपोर्ट और आकलन के आधार पर ही आगे की कार्ययोजना तय की जाएगी। इस निरीक्षण के दौरान डीडीसी सन्नी राज के साथ डीएमएफटी के परियोजना प्रबंधक (आजीविका एवं कौशल विकास) अमर कुमार श्रीवास्तव, बीसीसीएल व आदित्य बिड़ला ग्रुप के प्रतिनिधि और जिला परिषद की टीम प्रमुख रूप से मौजूद रही।

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

गांडेय : गांडेय प्रखंड वासियों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी ने प्रखंड क्षेत्र को 1 करोड़ 11 लाख रुपये की लागत से बनने वाले दो नए उप स्वास्थ्य केंद्रों की सौगात दी है। 15वें वित्त आयोग की राशि से गांडेय और उदयपुर पंचायत में इन उप स्वास्थ्य केंद्रों का निर्माण कराया जाएगा। पुराने स्वास्थ्य केंद्र परिसर में आयोजित एक समारोह के दौरान जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी ने विधिवत पूजा-अर्चना के बाद शिलापट्ट का अनावरण कर दोनों भवनों की आधारशिला रखी। प्राक्कलन के अनुसार, दोनों उप स्वास्थ्य केंद्रों के नए भवन का निर्माण 55 लाख



50-50 हजार रुपये की लागत से किया जाएगा। शिलान्यास के बाद जिला परिषद अध्यक्ष मुनिया देवी ने कहा कि ग्रामीण इलाकों तक सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

इन दोनों उप स्वास्थ्य केंद्रों के नए भवन बन जाने से आसपास का दर्जनों गांवों के ग्रामीणों को छोटी-मोटी बीमारियों और प्राथमिक उपचार के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। विशेषकर महिलाओं,

बच्चों और बुजुर्गों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा मिल सकेगी। वहीं, कार्यक्रम में मौजूद प्रमुख राजकुमार पाठक ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि लंबे समय से क्षेत्र में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की मांग की जा रही थी। इस सौगात से ग्रामीण क्षेत्रों की स्वास्थ्य व्यवस्था पहले से काफी सुदृढ़ होगी। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने जिला परिषद अध्यक्ष

धनबाद के सर्किट हाउस में लोजपा ने मनाई पार्टी संस्थापक की छठवीं पुण्यतिथि

सामाजिक न्याय के पुरोधा रामविलास पासवान को दी गई श्रद्धांजलि, लोजपा ने याद किया उनका योगदान

नेताओं व कार्यकर्ताओं ने चित्र पर पुष्प अर्पित कर दी भावभीनी श्रद्धांजलि। वंचितों और कमजोर वर्गों के अधिकारों की आवाज को आगे बढ़ाने का लिया गया संकल्प। प्रदेश उपाध्यक्ष ने कहा-रामविलास पासवान के विचारों को जन-जन तक पहुंचाना ही सच्ची श्रद्धांजलि



सामाजिक न्याय और वंचितों की थे मजबूत आवाज

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने स्वागीत रामविलास पासवान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में हमेशा सामाजिक न्याय और समाज के वंचित व कमजोर वर्गों के अधिकारों की आवाज को पूरी मजबूती के साथ उठाया। उन्होंने आम लोगों से जुड़कर राजनीति को जनसरोकारों से जोड़ने का जो सार्थक प्रयास किया, वह भारतीय राजनीति में हमेशा याद रखा

जाएगा।

विरासत को आगे बढ़ाना ही सच्ची श्रद्धांजलि

इस अवसर पर लोजपा (रामविलास) के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष मुद्रिका पासवान ने कहा कि रामविलास पासवान सिर्फ एक राजनीतिक नेता नहीं थे, बल्कि वे समाज के गंबड़े कमजोर और हाशिए पर खड़े तबके की एक बुलंद आवाज थे। उनके विचार और उनके द्वारा किए गए संघर्ष आज भी पार्टी के हर एक कार्यकर्ता के लिए बड़े प्रेरणास्रोत

हैं। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं से रामविलास पासवान के विचारों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने तथा संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि उनकी राजनीतिक और सामाजिक विरासत को आगे बढ़ाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

बताए रास्ते पर चलने का लिया गया संकल्प

कार्यक्रम के दौरान लोजपा के प्रदेश महासचिव राम सेवक पासवान ने भी अपने विचार रखे और स्वर्गीय पासवान के साथ बिताए राजनीतिक पलों और उनके संघर्षों को साझा किया। कार्यक्रम के अंत में सभी पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में स्वर्गीय रामविलास पासवान के बताए गए रास्ते पर चलने और उनके विचारों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का दृढ़ संकल्प लिया।

वैज्ञानिकों से सीधे संवाद, किसानों ने सीखी आधुनिक खेती की तकनीक

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

लातेहार/बालूमाथ। कृषि को अधिक लाभकारी और उत्पादन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से बुधवार को बालूमाथ प्रखंड के ग्राम कोमर, पंचायत झाबर में कृषक-वैज्ञानिक अंतरमिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि विस्तार योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों और कृषि वैज्ञानिकों के बीच सीधा संवाद हुआ। वैज्ञानिकों ने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक अपनाकर खेती को बेहतर बनाने के कई महत्वपूर्ण तरीके बताए। कार्यक्रम का शुभारंभ वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान कृषि वैज्ञानिक बालूमाथ, कृषि वैज्ञानिक सत्येंद्र यादव, जिला कृषि पदाधिकारी एनिमा लकड़ा, उप परियोजना निदेशक लातेहार कंचन सुमन, प्रखंड तकनीकी पदाधिकारी



बालूमाथ समीम अंसारी एवं ग्राम प्रधान महावीर गंडु ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के पदाधिकारियों ने किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, फसल प्रबंधन, उत्पादन बढ़ाने के उपाय तथा वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की जानकारी दी। वैज्ञानिकों ने किसानों को कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों को

अपनाने और बेहतर उत्पादन के लिए वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने खेती से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और अपनी जिज्ञासाओं को वैज्ञानिकों के समक्ष रखा। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों की समस्याओं को सुनते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक सुझाव एवं जानकारी

दी। इससे किसानों को खेती में आने वाली समस्याओं का वैज्ञानिक तरीके से समाधान करने की जानकारी मिली।कार्यक्रम में जावा देवी, कृष्णा उरांव, महेश उरांव, महावीर उरांव, सुष्मा उरांव एवं जतरू उरांव सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि वैज्ञानिकों से सीधे जोड़कर आधुनिक तकनीक की जानकारी उपलब्ध कराना और खेती को अधिक उत्पादनकारी बनाने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। कृषि को अधिक लाभकारी और उत्पादन को बेहतर बनाने के उद्देश्य से बुधवार को बालूमाथ प्रखंड के ग्राम कोमर, पंचायत झाबर में कृषक-वैज्ञानिक अंतरमिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि विस्तार योजना के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों और कृषि वैज्ञानिकों के

बीच सीधा संवाद हुआ। वैज्ञानिकों ने किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक अपनाकर खेती को बेहतर बनाने के कई महत्वपूर्ण तरीके बताए। कार्यक्रम का शुभारंभ वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान कृषि वैज्ञानिक बालूमाथ, कृषि वैज्ञानिक सत्येंद्र यादव, जिला कृषि पदाधिकारी एनिमा लकड़ा, उप परियोजना निदेशक लातेहार कंचन सुमन, प्रखंड तकनीकी पदाधिकारी बालूमाथ समीम अंसारी एवं ग्राम प्रधान महावीर गंडु ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान कृषि वैज्ञानिकों एवं कृषि विभाग के पदाधिकारियों ने किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, फसल प्रबंधन, उत्पादन बढ़ाने के उपाय तथा वैज्ञानिक तरीके से खेती करने की जानकारी दी। वैज्ञानिकों ने किसानों को कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों को अपनाने और बेहतर उत्पादन के

लिए वैज्ञानिक पद्धति से खेती करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम के दौरान किसानों ने खेती से जुड़ी विभिन्न समस्याओं और अपनी जिज्ञासाओं को वैज्ञानिकों के समक्ष रखा। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों की समस्याओं को सुनते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक सुझाव एवं जानकारी दी। इससे किसानों को खेती में आने वाली समस्याओं का वैज्ञानिक तरीके से समाधान करने की जानकारी मिली।कार्यक्रम में जावा देवी, कृष्णा उरांव, महेश उरांव, महावीर उरांव, सुष्मा उरांव एवं जतरू उरांव सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को कृषि वैज्ञानिकों से सीधे जोड़कर आधुनिक तकनीक की जानकारी उपलब्ध कराना और खेती को अधिक उत्पादनकारी बनाने के लिए प्रोत्साहित करना रहा।



संपादकीय

इस खेल पर चर्चा होना अनुचित कहा जाएगा ?

पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और पूर्व सीएम ममता बनर्जी के बीच चल रही खींचतान के बीच 2021 की एक तस्वीर सामने आई है। इस तस्वीर पर कई मीम्स बने हैं, जिनमें खेला होवे के नारे वाली एक तस्वीर भी शामिल है। यह घटना मार्च 2021 की है, जब तत्कालीन मुख्यमंत्री नंदीग्राम में चुनाव प्रचार के दौरान अपने बाएं पैर में चोट लगवा बैठी थीं। इसके बाद उन्होंने व्हीलचेयर पर बैठकर और पैर पर प्लास्टर बंधवाकर चुनाव प्रचार किया। यह दृश्य उस चुनाव की सबसे चर्चित तस्वीरों में से एक बन गया।

उस समय भी इस प्रचार अभियान को लेकर तीखी राजनीतिक बहस छिड़ी थी, उनके समर्थकों ने इसे किसी राजनीतिक नेता पर हुए खतरनाक हमले के सबूत के तौर पर पेश किया जबकि आलोचकों ने इस कहानी पर सवाल उठाए। आलोचकों का कहना था कि यह चोट एक खंभे से टकराकर वापस आए खुले दरवाजे के लगने से लगी थी। इसके बावजूद, व्हीलचेयर से प्रचार करने की उनकी छवि राजनीतिक रूप से बहुत असरदार साबित हुई और बंगाल की चुनावी लोक-

इतिहास
क्या-क्या हुआ
- भारतीय वायुसेना की स्थापना (1932): 8 अक्टूबर 1932 को भारत में भारतीय वायुसेना (IAF) का आधिकारिक रूप से गठन हुआ था। - मुंशी प्रेमचंद का निधन (1936): हिंदी और उर्दू साहित्य के महान लेखक एवं 'उपन्यास सम्राट' मुंशी प्रेमचंद का निधन हुआ था। 'यंग इंडिया' पत्रिका की शुरुआत (1919): महात्मा गांधी ने 'यंग इंडिया' साप्ताहिक पत्रिका का प्रकाशन शुरू किया था। - जयप्रकाश नारायण का निधन (1979): संपूर्ण क्रांति के प्रणेता और प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी जयप्रकाश नारायण का निधन हुआ था। - बदरुद्दीन तैयब जी का जन्म (1844): भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पहले मुस्लिम अध्यक्ष और प्रसिद्ध न्यायविद् बदरुद्दीन तैयब जी का जन्म 8 अक्टूबर 1844 को हुआ था। - अभिनेता राजकुमार का जन्म (1926): हिंदी सिनेमा के जाने-माने और विशिष्ट शैली के दिग्गज अभिनेता राजकुमार का जन्म हुआ था 1871: अमेरिका के शिकागो शहर में इतिहास की विनाशकारी 'ग्रेट शिकागो फायर' (Great Chicago Fire) की शुरुआत हुई थी। 1912: मोंटेनेग्रो द्वारा ओटोमन साम्राज्य के खिलाफ युद्ध की घोषणा के साथ 'प्रथम बाल्कन युद्ध' (First Balkan War) शुरू हुआ था। 1919: दुनिया की पहली ट्रांसकॉन्टिनेंटल एयर रेस (Transcontinental Air Race) की शुरुआत हुई थी, जिसे लेफ्टिनेंट बेल्विन मेनार्ड ने जीता था। 1945: अमेरिकी इंजीनियर पर्सी स्पेंसर को माइक्रोवेव ओवन (Microwave Oven) का पेटेंट मिला था। 1948: दुनिया का पहला अंतरिक पेसमेकर (Internal Pacemaker) स्वीडन में एक मरीज के शरीर में प्रत्यारोपित किया गया था। 1956: मेजर लीग बेसबॉल के वर्ल्ड सीरीज इतिहास में डॉन लार्सन ने पहला और एकमात्र 'परफेक्ट गेम' (No-hitter) पिंच किया था। 1967: क्रांतिकारी नेता चे ग्वेरा को बोलीविया में गिरफ्तार किया गया था। 2005: कश्मीर और पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में आए विनाशकारी भूकंप में हजारों लोगों की जान गई थी।

कविता

स्याही का सफर

की थी एक दिन नई शुरुआत, कुछ टूटे-फूटे शब्दों के साथ, भावों का समंदर उफन रहा था, मन कुछ लिखने को कह रहा था ।

जानती न थी लेखन की दिशा, प्रेरणा मिली दूर करने को निशा, धन्यवाद को ही सर्वप्रथम चुना, अभिव्यक्ति स्वरूप कुछ चुना ।

हृदय का भाव था मंगल कामना, मन ने आत्मा की आवाज को सुना, निकल पड़े यूँ ही स्याही के सफर पर, थोड़ा सहमं हुएं बड़े धीरे-धीरे चलकर ।

वो भेजता गया अपने फरिश्तों को, साथ लिए दुआओं की पोतली को, कई उतार-चढ़ाव बीच में आते गए, उदासी-मुस्कुराहट संग लिए सीखते गए ।

गुरु कृपा का अमृत पान किया, अंतःकरण को चिंता मुक्त किया, बस अब जो प्रभु लिखेवाता है, उसी का नाम ले लिख देते हैं ।

अंत तक जारी रहेगा अंजाना, स्याही का "आनंद" सफर सुहाना, ये जीवन प्रभु का ही प्रताप है, दूर किया उसने सारा विलाप है ।



मोनिका डागा
लेखक



विजय शंकर द्विवेदी



लोकगीतों में इतिहास है ।

कहावतों में जीवन-दर्शन है ।

पारंपरिक कथाओं में

सामाजिक नियम हैं । खेती

और जंगल से जुड़ी

शब्दावली में पीढ़ियों का

अनुभव है । कई समुदायों की

भाषाओं की अपनी स्वतंत्र

लिपि नहीं है । इसका अर्थ

यह नहीं कि उनका साहित्य

नहीं है । उनका साहित्य

पीढ़ियों से स्मृति और वाणी

में जीवित रहा है । यही

कारण है कि ऐसी भाषाओं

के संरक्षण का पहला काम

उन्हें लिखित रुप देना भर

नहीं, बल्कि उनके जीवित

वक्ताओं की आवाज रिकॉर्ड

करना भी होना चाहिए ।

कथाओं का हिस्सा बन गई । पांच साल बाद, यह बहस राजनीतिक झुमे से आगे बढ़कर मेडिकल एथिक्स और सच छिपाने के मुद्दे पर आ गई है । इस मामले की जांच की जरूरत बताते हुए सीएम सुवेंदु ने अब सार्वजनिक रूप से ममता के 2021 के इलाज से जुड़े मेडिकल दस्तावेजों का जिक्र किया है और आरोप लगाया है कि रिकॉर्ड में फ्रैक्चर या हड्डी खिसकने कोई सबूत नहीं मिला। इसके जवाब में ममता ने अस्पताल और उनके इलाज से जुड़े अधिकारियों को कानूनी नोटिस भेजा है और यह जानना चाहा है कि कथित तौर पर गोपनीय मेडिकल रिकॉर्ड सार्वजनिक कैसे हो गए। नोटिस में यह सवाल उठाया गया कि किस कानूनी अधिकार के तहत ऐसे रिकॉर्ड्स का खुलासा किया गया और क्या किसी कोर्ट के आदेश या कानूनी प्रक्रिया ने उन्हें जारी करने की इजाजत दी थी। हालांकि यह सवाल अभी भी बना हुआ है कि क्या वाकई फ्रैक्चर हुआ था लेकिन इसने इस बात पर भी बरस छेड़ दी है कि क्या किसी मरीज के मेडिकल रिकॉर्ड्स, खासकर किसी मशहूर हस्ती के उनकी मंजूरी के बिना सार्वजनिक रूप से उन पर चर्चा की जा सकती है ।

लोक मुद्दा

जब कोई बोली चुप हो जाती है, एक पूरा संसार खामोश हो जाता है

भारत को अगर केवल उसके नक्शे, पर्वतों, नदियों और संस्कृतियों से समझने की कोशिश की जाए तो तस्वीर अधूरी रह जाएगी। भारत को समझने के लिए उसकी आवाजें सुननी होंगी। गांव के चौपाल से लेकर पहाड़ की ढलान तक, जंगल की पगडंडी से लेकर समुद्र किनारे बसे छोटे समुदायों तक–हर इलाके की अपनी बोलने की शैली, अपने शब्द, अपनी ध्वनियां और अपनी अभिव्यक्ति रही है। यही बोलियां भारत की उस सांस्कृतिक विविधता की असली धड़कन हैं, जिसकी चर्चा दुनिया भर में होती है। लेकिन इस विशाल भाषाई संसार के सामने एक ऐसी खामोशी बढ़ रही है, जिस पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। देश की अनेक छोटी बोलियां धीरे-धीरे रोजमर्रा के जीवन से बाहर हो रही हैं। इनके बोलने वालों की संख्या घट रही है, कई पीढ़ी इन्हें सीखने में रुचि नहीं ले रही और कई जगह माता-पिता भी बच्चों से अपनी पारंपरिक बोली के बजाय किसी बड़ी या प्रभावशाली भाषा में बात करना ज्यादा उपयोगी समझते हैं। यह बदलाव केवल भाषा का बदलाव नहीं है। यह स्मृति के मिटने की शुरुआत है।

भारत की 2011 की जनगणना ने भाषाई विविधता की असाधारण तस्वीर सामने रखी। जनगणना में हजारों मातृभाषा नाम दर्ज हुए और भाषाई विश्लेषण के बाद 1,369 मातृभाषाओं को पहचान योग्य श्रेणियों में रखा गया। यूनेस्को की हालिया रिपोर्ट भी बताती है कि भारत में 22 अनुसूचित भाषाएं आबादी के बड़े हिस्से की भाषा हैं, जबकि करोड़ों लोग गैर-अनुसूचित भाषाओं और छोटी मातृभाषाओं का इस्तेमाल करते हैं।

इन आंकड़ों के पीछे असंख्य छोटे भाषाई संसार छिपे हुए हैं।

बोली केवल बोलने का तरीका नहीं- अक्सर बोली को भाषा की छोटी बहन मान लिया जाता है। जैसे कोई बड़ी भाषा मुख्यधारा है और उसके आसपास बोलियां केवल स्थानीय रूप हैं। यही सोच शायद सबसे बड़ी भूल है। किसी समुदाय की बोली में उसके भूगोल का अनुभव छिपा होता है। जंगल में रहने वाला समुदाय पेड़-पौधों, मिट्टी, मौसम और जीव-जंतुओं के लिए ऐसे शब्द गढ़ता है, जिनका सीधा अनुवाद दूसरी भाषा में संभव नहीं होता। पहाड़ में रहने वालों की भाषा में ढलावों, रास्तों, बादलों और हवाओं की बारीक पहचान मिलती है। किसान की बोली में खेत, मिट्टी, बीज, वर्षा और फसल के दर्जनों स्थानीय अर्थ हो सकते हैं।

एक बुजुर्ग महिला जिस शब्द से किसी जंगली पौधे को पहचानती है, वह शब्द किसी शब्दकोश में शायद मौजूद न हो। लेकिन उस शब्द में पीढ़ियों का अनुभव जमा है। इसलिए जब कोई बोली खत्म होती है तो केवल कुछ शब्द नहीं मरते। उसके साथ पौधों को पहचानने की एक पद्धति, मौसम समझने का स्थानीय ज्ञान, रिश्तों को संबोधित करने का तरीका, लोककथाएं, गीत, कहावतें और जीवन को देखने का एक विशिष्ट नजरिया भी कमजोर पड़ जाता है।

सबसे बड़ा संकट घर के भीतर है- किसी भाषा या बोली के लिए सबसे सुरक्षित जगह स्कूल नहीं, घर होता है। जब मां बच्चे को अपनी मातृभाषा में पुकारती है, दादी कहानी सुनाती है, पिता खेत का अनुभव साझा करता है और परिवार के लोग आपस में उसी बोली में हंसते-बोलते हैं, तब भाषा जीवित रहती है। संकट तब शुरू होता है जब घर में नई पीढ़ी के साथ बातचीत का माध्यम बदल जाता है। कई परिवारों में यह बदलाव मजबूरी से आता है। माता-पिता चाहते हैं कि बच्चे अच्छी शिक्षा पाएं, रोजगार के अवसर हासिल करें और बड़े शहरों में आसानी से संवाद कर सकें। इसलिए वे घर में भी हिंदी, अंग्रेजी या किसी क्षेत्रीय प्रमुख भाषा का इस्तेमाल बढ़ा देते हैं।

इसका परिणाम यह होता है कि बच्चा अपनी पारंपरिक बोली सुनता तो है, लेकिन उसे बोलना नहीं सीखता।

पहली पीढ़ी बोलती है। दूसरी पीढ़ी समझती है। तीसरी पीढ़ी केवल कुछ शब्द पहचानती है। इसके बाद वह बोली संग्रहालय की वस्तु बनने लगती है।

शिक्षा ने अवसर दिए, लेकिन एक चुनौती भी पैदा की- आधुनिक शिक्षा ने समाज के लिए असंख्य दरवाजे खोले हैं। इसका महत्व कम नहीं किया जा सकता। लेकिन शिक्षा की एकरूपता ने छोटी बोलियों



के सामने नई चुनौती भी खड़ी की है। बच्चे जिस भाषा में किताब पढ़ते हैं, परीक्षा देते हैं और नौकरी की तैयारी करते हैं, धीरे-धीरे वही भाषा उनके सामाजिक आत्मविश्वास की भाषा बन जाती है। स्थानीय बोली कई बार उन्हें फिछड़पन से जोड़कर दिखाई जाती है। यहीं से समस्या और गहरी होती है।

जब किसी बच्चे को अपनी दादी की भाषा बोलने पर मजाक का सामना करना पड़े, जब उसकी बोली को 'गांव की भाषा' कहकर कमतर समझा जाए या जब वह स्वयं अपनी मातृभाषा बोलने में संकोच करने लगे, तब भाषा का क्षरण केवल भाषाई नहीं रहता। वह आत्मसम्मान का प्रश्न बन जाता है। भाषा को बचाने के लिए इसलिए केवल शब्दों की सूची बनाना पर्याप्त नहीं है। उस भाषा को बोलने वाले व्यक्ति को यह भरोसा देना होगा कि उसकी भाषा भी सम्मान के योग्य है।

बाजार की भाषा और घर की भाषा: आज रोजगार, व्यापार और डिजिटल दुनिया कुछ बड़ी भाषाओं के पक्ष में माहौल बनाती है। यह स्वाभाविक भी है। बाजार को ऐसी भाषा चाहिए जिसे अधिक लोग समझ सकें। लेकिन समस्या तब होती है जब बाजार की भाषा घर की भाषा को पूरी तरह विस्थापित कर देती है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सामाजिक मीडिया ने इस बदलाव को तेज किया है। बच्चे घंटों ऐसी सामग्री देखते-सुनते हैं जो बड़ी भाषाओं में उपलब्ध है। छोटी बोलियों में सामग्री बहुत कम है। परिणाम यह कि डिजिटल दुनिया में बच्चे की भाषाई पहचान और घर की भाषाई पहचान के बीच दूरी बढ़ती जाती है। आज किसी बोली को बचाने के लिए केवल किताब छापना पर्याप्त नहीं होगा। उस बोली में वीडियो चाहिए, गीत चाहिए, कहानियां चाहिए, बच्चों की सामग्री चाहिए, डिजिटल शब्दकोश चाहिए और मोबाइल पर लिखने-पढ़ने की सुविधा भी चाहिए।

जिस भाषा की इंटरनेट पर आवाज नहीं है, उसके लिए आने वाली पीढ़ी में जगह बनाना कठिन होता जाएगा।

आदिवासी क्षेत्रों में संकट और गहरा- भारत की कई लुप्तप्राय भाषाएं और बोलियां आदिवासी समुदायों से जुड़ी हैं। इन भाषाओं की बड़ी विशेषता यह है कि इनमें ज्ञान का विशाल हिस्सा लिखित पुस्तकों में नहीं, बल्कि मौखिक परंपरा में सुरक्षित है। एक बुजुर्ग कथाकार की पूरी रात चलने वाली कहानी, किसी लोकगायक का गीत या किसी

लोक विचार

विदेशी तेल, घरेलू महँगाई



ही माल दुलाई का खर्च बढ़ सकता है। परिवहन कंपनियां बढ़ी हुई लागत को भाड़े में शामिल करती हैं और अंततः उसका भार उपभोक्ता तक पहुँचता है।

तेल का प्रभाव केवल परिवहन तक सीमित नहीं है। अर्थव्यवस्था के अनेक उद्योग ऊर्जा पर निर्भर हैं। सीमेंट, इस्पात, रसायन, उर्वरक और अन्य ऊर्जा-गहन उद्योगों की उत्पादन लागत में ईंधन और ऊर्जा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से उत्पादन लागत बढ़ती है। उद्योग अपनी लागत को नियंत्रित करने के लिए उत्पादों की कीमत बढ़ा सकते हैं। इस प्रकार तेल का शुरुआती झटका धीरे-धीरे अर्थव्यवस्था के अलग-अलग क्षेत्रों में फैलने लगता है।

इसका असर खाद्य महँगाई पर भी दिखाई दे सकता है। किसान के लिए डीजल सिंचाई, कृषि मशीनरी और परिवहन में उपयोगी है। कृषि उपज को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है। यदि परिवहन और कृषि संबंधी लागत बढ़ती है, तो सब्जियाँ, फलों, अनाज और अन्य खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर दबाव बन सकता है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में आया एक झटका घरेलू रसोई तक पहुँच सकता है।



मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को बसपा में फिट वापस लेकर बनाया राष्ट्रीय संयोजक

वैद्य द्वारा पौधों की पहचान बताने का तरीका–ये सब भाषाई विरासत के दस्तावेज हैं।
सर्कारी प्रयास जरूरी हैं, लेकिन समाज की भागीदारी उससे भी ज्यादा जरूरी- भारत सरकार ने लुप्तप्राय भाषाओं के संरक्षण के लिए 'लुप्तप्राय भाषाओं के संरक्षण एवं परिरक्षण' योजना के तहत ऐसी भाषाओं के अध्ययन और दस्तावेजीकरण का काम शुरू किया है। दिसंबर 2025 में संस्कृति मंत्रालय ने लोकसभा में बताया था कि इस योजना के पहले चरण में 117 लुप्तप्राय भाषाओं/मातृभाषाओं को अध्ययन और दस्तावेजीकरण के लिए चुना गया है। यह प्रयास महत्वपूर्ण है, लेकिन किसी भाषा को केवल सरकारी परियोजना से जीवित नहीं रखा जा सकता।

भाषा सरकारी फाइल में नहीं, लोगों की जुबान पर जीवित रहती है। बच्चे अपने दादा-दादी से कहानियां सुनकर उन्हें लिख सकते हैं। गांव के बुजुर्ग, शिक्षक, लोक कलाकार, कहानीकार, विद्यार्थी और स्थानीय युवा मिलकर अपनी भाषा का डिजिटल संग्रह बना सकते हैं। हर गांव में भाषा के शब्द, लोकगीत, कहावतें, पारंपरिक नाम और कहानियां रिकॉर्ड की जा सकती हैं।

स्कूलों में स्थानीय बोली के लिए सप्ताह में एक कक्षा हो सकती है। बच्चे अपने दादा-दादी से कहानियां सुनकर उन्हें लिख सकते हैं। स्थानीय प्रशासन ऐसी सामग्री को पुस्तक या डिजिटल संग्रह के रूप में सुरक्षित कर सकता है।

तकनीक दुश्मन नहीं, सबसे बड़ा सहारा बन सकती है- जिस तकनीक को अक्सर बोलियों के खत्म होने का कारण माना जाता है, वही इनके पुनर्जीवन का सबसे बड़ा माध्यम भी बन सकती है। आज एक मोबाइल फोन से किसी भाषा के शब्दों का ऑडियो संग्रह तैयार किया जा सकता है। लोकगीत रिकॉर्ड किए जा सकते हैं। बुजुर्गों की बातचीत संक्षिप्त की जा सकती है। स्थानीय शब्दों का डिजिटल शब्दकोश बनाया जा सकता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और भाषा तकनीक के विकास से यह काम और आसान हो सकता है। सरकार ने भी भारतीय भाषाओं और जनजातीय भाषाओं के लिए अनुवाद एवं भाषा तकनीक विकास करने की दिशा में प्रयास किए हैं। लेकिन तकनीक तभी उपयोगी होगी जब उसके पीछे समुदाय की आवाज होगी। किसी बाहरी व्यक्ति द्वारा बनाई गई शब्दावली से ज्यादा मूल्यवान वह संग्रह होगा जिसे उस भाषा का अपना समाज तैयार करे।

बोलियों को बचाने का मतलब अतीत में लौटना नहीं- भाषा संरक्षण को कई बरा आधुनिकता के निरोध के रूप में देखा जाता है। यह दृष्टिकोण भी बदलना होगा। किसी बच्चे से यह कहना कि वह केवल अपनी पारंपरिक बोली बोले और दूसरी भाषाएं न सीखे, समाधान नहीं है। भारत की ताकत ही बहुभाषिकता है। जरूरत यह है कि बच्चा अपनी मातृभाषा के साथ हिंदी, अंग्रेजी और दूसरी जरूरी भाषाएं भी सीखे। एक भाषा दूसरे की दुश्मन नहीं होनी चाहिए।

अगर कोई बच्चा अपनी दादी से स्थानीय बोली में बात करता है, स्कूल में हिंदी पढ़ता है और दुनिया से जुड़ने के लिए अंग्रेजी सीखता है, तो वह भाषाई रूप से कमजोर नहीं, बल्कि अधिक समृद्ध है।



37 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किया पिंडदान

पटना। एजेंसी

मोक्षधाम गयाजी में इस वर्ष पितृपक्ष मेले के दौरान रिकॉर्ड श्रद्धालु पहुंचे हैं। पर्यटन विभाग के अनुसार, अब तक 37 लाख 50 हजार 200 तीर्थयात्री, श्रद्धालु और पिंडदानी गया पहुंचकर अपने पूर्वजों की अल्ला की शांति के लिए पिंडदान और तर्पण कर चुके हैं। इनमें देश के अलग-अलग राज्यों के अलावा रूस, फ्रांस, जर्मनी, इटली, ब्राजील और यूक्रेन जैसे देशों के अच्छे संख्या में नागरिक भी शामिल हैं। 8 अक्टूबर को दक्षिण अफ्रीका समेत अन्य देशों से 30 से 40 की संख्या में श्रद्धालुओं के गयाजी पहुंचकर पिंडदान करने की भी संभावना है। गयाजी में पितृपक्ष मेले के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्ष 2022 में 9 लाख 40 हजार पर्यटक गया पहुंचे थे। इनमें 1518 विदेशी पर्यटक शामिल थे। वर्ष 2023 में यह संख्या बढ़कर 29 लाख 89 हजार हो गई, जिसमें करीब 82 हजार विदेशी पर्यटक शामिल रहे। वर्ष 2024 में कुल 30 लाख 59 हजार पर्यटक गयाजी पहुंचे, जिनमें एक लाख 55 हजार विदेशी थे। पिछले साल 2025 में कुल 34 लाख 79 हजार पर्यटक गयाजी पहुंचे थे, जिनमें 1807 विदेशी पर्यटक शामिल थे।



न्यूज़ ट्रेक

आंगनबाड़ी में सांप के काटने से पांच साल के बच्चे की मौत



पटना। बाढ़ थाना क्षेत्र की बेठना पंचायत के पोथमा पर गांव में आंगनबाड़ी केंद्र में पहुंचे गए पांच साल के बच्चे की सांप के काटने से मौत हो गई। मुक्त की पहचान दुस्तुन महतो के बेटे इशु कुमार के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि सांप के काटने के बाद आंगनबाड़ी सहायिका ने बच्चे को अस्पताल पहुंचाने के बजाय पैदल ही घर भेज दिया। परिजनों का कहना है कि समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण बच्चे की हालत बिगड़ती चली गई। परिजनों के अनुसार, बुधवार रात 11 बजे आंगनबाड़ी केंद्र में भोजन करने के बाद इशु हथ धोने के लिए चाफकल के पास गया था। इसी दौरान उसकी हाथ की उंगली में सांप ने काट लिया। बच्चे ने इसकी जानकारी आंगनबाड़ी सहायिका को दी।

रबी की बुआई से पहले खाद की कालाबाजारी: 24 एफआईआर



जयपुर। रबी की बुआई से पहले राजस्थान में खाद की उपलब्धता को लेकर सरकार ने निगरानी बढ़ा दी है। प्रदेश में फिलहाल 3.72 लाख मीट्रिक टन यूरिया का स्टॉक है। वहीं खाद की जमाखोरी, कालाबाजारी और दूसरे राज्यों में अवैध तरीके से भेजने के मामलों में अब तक 24 एफआईआर दर्ज की गई हैं। कार्रवाई के दौरान 118 खाद लाइसेंस निलंबित या निरस्त किए गए हैं। कृषि विभाग ने खाद की बिक्री करने वाले 12,362 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया है। इनमें 115 लाइसेंस निलंबित और तीन निरस्त किए गए। खाद के अवैध खयवजन के मामलों में 1,223 जैज जस्ट किए गए हैं।

हंदवाड़ा में जमीन के नीचे से एके-47 सहित गोला बारूद मिले



हंदवाड़ा। सुरक्षाबलों ने कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा में आतंकियों के एक बड़े बंडूकधारी को विफल कर दिया। चारदात को अंजाम देने के लिए आतंकियों ने नागादुनार के जंगल में हथियार छिपा रखे थे। सुरक्षाबलों ने बुधवार को समय रहते इस ठिकाने को खोज निकाला। इस ठिकाने में आतंकियों ने 1132 कारतूस और साइलेंसर भी छिपा रखा था। पुलिस प्रवक्त ने बताया कि पुलिस, सेना की 21 राष्ट्रीय राइफल (आरआर) और सीआरपीएफ की 92वीं बटालियन को नागादुनार के घने जंगल में सदिग्ध गतिविधियों और आतंकियों के ठिकाने के पुख्ता इन्फुट मिले थे। इसके आधार पर सुरक्षाबलों के संयुक्त दल ने इलाके की घेराबंदी कर एक बड़ा तलाशी अभियान शुरू कर दिया।

डोन-मिसाइल हमले में 36 घायल, जवाब में यमन के 80 ठिकानों पर सऊदी की एयरस्ट्राइक

हूतियों का सऊदी एयरपोर्ट पर हमला, तीन की मौत

रियाद। एजेंसी

सऊदी अरब के दो एयरपोर्ट्स पर हूती विद्रोहियों ने डोन और मिसाइल से हमले किए। इसमें 3 लोगों की मौत हो गई है। साथ ही 36 लोग घायल हुए हैं। सऊदी अरब की जनरल अर्थाट्टी ऑफ सिविल एविएशन ने बुधवार को यह जानकारी दी। आभा इंटरनेशनल एयरपोर्ट और रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट की 6 और 7 अक्टूबर को निशाना बनाया गया। हूती विद्रोहियों ने दोनों हमलों की जिम्मेदारी ली है। वहीं, यमन में सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा कि उसने हूतियों के 80 से ज्यादा सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई की है।



सऊदी ने यमन में मिसाइल लॉन्च करने वाला ठिकाना नष्ट किया

इस बीच, यमन में सऊदी अरब के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने दावा किया कि उसने रियाद पर हमले के लिए इस्तेमाल किए गए एक बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च प्लेटफॉर्म को नष्ट कर दिया है। गठबंधन के प्रकटा कर्नल तुर्की अल-मालिकी ने कहा कि यह कार्रवाई यमन की राजधानी साना में की गई। उनके मुताबिक, यहां सऊदी अरब पर एक और हमले की तैयारी चल रही थी।

हूतियों ने अरामको रिफाइनरी पर हमले का भी दावा किया

इससे पहले हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने सऊदी अरब में कई जगहों पर मिसाइल और डोन हमले करने की जिम्मेदारी ली थी। इसमें रबीध में स्थित दुनिया की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी अरामको पर हमला भी शामिल है। सरी ने टेलिग्राम पर जारी बयान में कहा कि संगठन ने बड़ी संख्या में बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ

विदेशी नागरिकों ने हमले में जान गंवाई

आभा एयरपोर्ट पर हमले में मोरक्को और अल्जीरिया की दो महिला नागरिकों की मौत हुई। साथ ही यहां 28 लोग घायल हुए, जिनमें सऊदी, बांग्लादेशी और फिलीपींस के नागरिक शामिल हैं। वहीं, किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर एक सुइसी नागरिक की मौत हुई। यहां 8 लोग घायल हुए, जिनमें 5 सऊदी नागरिक, 2 मिस्र के निवासी और एक पाकिस्तानी निवासी शामिल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। साथ ही अधिकारी सुविधाओं की सुरक्षा की जांच कर रहे हैं और यात्रियों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं।

अंबेडकर प्रतिमा खंडित किए जाने से गांव में तनाव



अयोध्या। एजेंसी

अयोध्या के मिर्जापुर तहसील क्षेत्र के अलीपुर खजुरी गांव में बुधवार रात अराजक तत्वों ने अंबेडकर प्रतिमा को खंडित कर दिया। बृहस्पतिवार सुबह ग्रामीणों ने प्रतिमा को क्षतिग्रस्त देखा तो आक्रोश फैल गया। देखते ही देखते गांव में तनाव की स्थिति बन गई। सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस के अधिकारी भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और ग्रामीणों से बातचीत कर स्थिति को संभाला।

एसडीएम मिर्जापुर फयन कुमार शर्मा और क्षेत्राधिकारी मिर्जापुर पीयूष ने इलायतनगर व

कुमारगंज थाने की पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जांचाया किया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली और शांति बनाए रखने की अपील की। एसडीएम ने ग्रामीणों की जल्द नई अंबेडकर प्रतिमा स्थापित कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने बताया कि नई प्रतिमा मंगवाई जा रही है, जिसे दोपहर तक स्थापित कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रतिमा खंडित कर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों की पहचान के लिए जांच करवाई जा रही है। दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

रोहिणी में नकली नोट छापने पर चार धराए

रोहिणी में 10.50 लाख रु. के जाली नोट जब्त, गैंग का भांडाफोड़

नई दिल्ली। एजेंसी

रोहिणी जिले में पुलिस ने जाली नोट छापने, आपूर्ति करने और उन्हें बाजार में खपाने वाले गिरेह का भंडाफोड़ कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान राजस्थान के जयपुर निवासी पुष्कर राज पुष्पिका उर्फ डॉक्टर, बाइमेर निवासी गोसाई राम, हरियाणा के सोनीपत निवासी साहित खन्ना और राजस्थान के चूरू जिले के निवासी नरेंद्र कुमार के रूप में हुई। आरोपियों के पास से 10.50 लाख मूल्य के जाली नोट बरामद

किए गए हैं। रोहिणी जिला पुलिस उपरिक्त (डीसीपी) राशक जयसवाल ने बताया कि 30 सितंबर को प्रशांत विहार थाना क्षेत्र में जापानी पार्क के पास छपा मारकर पुष्कर, गोसाई और साहित को फंसा था और उनके पास से 500-500 के जाली नोट और नोट तैयार करने में इस्तेमाल होने वाला सामान बरामद हुआ। पुलिस ने इस संबंध में एक अक्टूबर को प्रशांत विहार थाने में मामला दर्ज किया। आरोपियों के ठिकानों की तलाशी में प्रिटिंग उपकरण बरामद हुआ।

बड़ा भंगाल ट्रैक पर निकले ट्रेकर्स लापता, थमसर पास के पास फंसे होने की आशंका

धर्मशाला। एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में बड़ा भंगाल की ओर ट्रेकिंग पर गए पांच लोगों के संपर्क से बाह्य होने की जानकारी सामने आई है। पांचों ट्रेकर्स से पिछले 12 घंटे से अधिक समय से कोई संपर्क नहीं हो पाया है। इसके बाद उनके सुरक्षित होने को लेकर चिंत बढ़ गई है। जानकारी के मुताबिक, पांचों ट्रेकर्स ने थमसर पास-बड़ा भंगाल ट्रैक का रुख किया था। इनका कार्यक्रम 5 अक्टूबर को थमसर पास पर कर बड़ा भंगाल पहुंचने का था। इसी अवधि में पहाड़ी क्षेत्र का मौसम अचानक खराब हो गया। मौसम की खराब परिस्थितियों को देखते हुए आशंका है कि ट्रेकर्स थमसर पास के आसपास किसी स्थान पर रुक गए हों या रास्ते में फंसे गए हों।

बागपत: परचून की दुकान में भीषण आग

दो सिलिंडर फटे; पांच साल की मासूम व महिला की मौत, कई लोग अंदर फंसे

बागपत। एजेंसी

पुलिस के अनुसार पटाखों में आग लगने के कारण खेकड़ा बाजार में पुलिस चौकी के पास परचून की दुकान में भीषण आग लग गई। आग व्यापारी प्रदीप जैन की दुकान से होते हुए मकान तक पहुंच गई। प्रारंभिक जांचकार के अनुसार, पटाखों में आग लगने के कारण हादसा हुआ और इस दौरान दो सिलिंडर भी फट गए। आग की चपेट में आने से प्रदीप जैन के बेटे अंकुर जैन समेत कई लोग जख्म हुए। पुलिस और दमकल कर्मियों मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं। हादसे में स्थिति जैन और पांच वर्षीय आनख जैन की मौत की सूचना है।



जानकारी के अनुसार, खेकड़ा बाजार में पुलिस चौकी के पास प्रदीप जैन की परचून की दुकान में आग लगी। बताया जा रहा है कि दुकान में रखे पटाखों में आग लगने के बाद आग तेजी से फैल गई। देखते ही देखते आग ने दुकान के साथ मकान की भी अपनी चपेट में ले लिया।

संकट

डब्ल्यूएमओ ग्लोबल वॉटर रिपोर्ट में खुलासा

35 सालों में सबसे सूखी रहीं नदियां, पिघलते ग्लेशियरों से गहराया वैश्विक जल संकट!

नई दिल्ली। एजेंसी

कहीं नदियों का बहाव घट रहा है तो कहीं बारिश बाढ़ बनकर तबाही मचा रही है। दुनियाभर में पानी की लेकर अलग-अलग समस्याएं सामने आ रही हैं। अब डब्ल्यूएमओ की नई रिपोर्ट भारत समेत दुनियाभर में पानी के संकट की गंभीर समस्या दिखाती है।

दुनिया में पानी लगातार घटता जा रहा है। कहीं नदियों का बहाव सामान्य से कम हो गया है तो कहीं कुछ ही समय में इतनी बारिश हो रही है कि बाढ़ जैसे हालात पैदा हो जाते हैं। विश्व मौसम विज्ञान संगठन



यहनी डब्ल्यूएमओ की स्टेट ऑफ ग्लोबल वाटर रिपोर्ट 2025 रिपोर्ट

ने इसी बदलते जल पैटर्न को लेकर गंभीर चिंता जताई है।

रिपोर्ट की मानें, तो 2025 में दुनिया के नदियों का प्रवाह पिछले 35 सालों में सबसे सूखा रहा। दूसरी तरफ 2014-16 के बाद से जमीन पर मौजूद कुल जल भंडारण में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, 2025 में वैश्विक नदी बेसिन के करीब 36% हिस्से में सामान्य से कम जल प्रवाह दर्ज किया गया। लगातार सालों साल सामान्य नदी प्रवाह वाले बेसिन बेहद कम रहे। बेसिन वह इलाका होता है जहाँ बारिश का पानी नालों, छेदों नदियों और नदियों के जरिए एक मुख्य नदी में जाकर मिल जाता है।

बस्तर सहकारिता सम्मेलन में जुटे देश के नामचीन अधिकारी

रायपुर। एजेंसी

बस्तर में आज और कल पहली बार राष्ट्रीय सहकारिता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। भारत सरकार के सहकारिता मंत्रालय की ओर से जगदलपुर में होने वाले सम्मेलन में देशभर के वरिष्ठ अधिकारी 'सहकार से समृद्धि' की कार्ययोजना पर मंथन कर रहे हैं। सम्मेलन भारत सरकार के सहकारिता विभाग के सचिव आशीष कुमार भूटानी की अध्यक्षता में होगा। इसमें अतिरिक्त सचिव एवं राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के प्रबंध संचालक फंज बंसल और भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव सिद्धार्थ जैन भी शामिल होंगे। सम्मेलन में मल्टीपर्स प्रारंभिक कृषि साख सहकारी समितियों (एम-पैक्स) और ग्रुप समितियों के गठन, एम-पैक्स की कंप्यूटरीकरण, सहकारिता में डिजिटल तकनीक के उपयोग, भंडारण क्षमता के विस्तार और सहकारी बैंकिंग के सशक्तिकरण पर विशेष चर्चा होगी। एम-पैक्स से उर्लक वितरण और बहुराज्यीय सहकारी संस्थाओं से समन्वय पर भी विचार कर आगे तीन महीनों की कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

► **ईरान में युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका ने 81 मिलिट्री एयरक्राफ्ट और ड्रोन खोए**

रिपोर्ट में खुलासा: ईरान से जंग में अमेरिका को 31,943 करोड़ रुपए का भारी नुकसान

● **वाशिंगटन**

यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए ईरान युद्ध पीछा नहीं छोड़ रहा है, जबकि ट्रम्प को लगा था कि वो इजराइल के ईरान को मिटा देंगे। इस जंग में यूएस को करीब 31,943 करोड़ यानी 3.3 अरब डॉलर के 81 सैन्य विमानों की तबाही के रूप में बड़ा नुकसान उठाना पड़ा है। ईरान की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में यूएस को 12 एफ-15ई जेट और 45 एमक्यू-9 ड्रोन समेत 81 मिलिट्री एयरक्राफ्ट ढेर हो गए। कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस की एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, इस साल की शुरुआत में ईरान में युद्ध शुरू होने के बाद से अमेरिका ने कम से कम 81 मिलिट्री एयरक्राफ्ट और ड्रोन खो दिए हैं। इस नुकसान की कुल कीमत लगभग 3.3 अरब डॉलर है।इसमें अमेरिका के कुछ सबसे एडवांस्ड युद्धक विमान शामिल हैं, जैसे एफ-35ए लाइटनिंग-2 स्टील्थ फाइटर, एफ-15 जेट और एमक्यू-9 रीपर ड्रोन। रिपोर्ट में कहा गया है कि हर एफ-15 जेट की कीमत 3 करोड़ डॉलर से ज्यादा है, जबकि 45 एमक्यू-9 रीपर ड्रोन में से हर एक की कीमत 3 से 5 करोड़ डॉलर के बीच होने का अनुमान है। यूएस के सबसे एडवांस्ड युद्धक विमानों में से एक, पांचवीं पीढ़ी के एफ-35ए की कीमत 9.2 करोड़ डॉलर से ज्यादा है।

ईरान के खिलाफ जंग को ऑपरेशन एफिक फ्यूरी नाम दिया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, मिडिल ईस्ट में मिशन के दौरान अमेरिकी सेना ने 12 एफ-15ई एयरक्राफ्ट, एक ए-35ए लाइटनिंग -2 फाइटर एयरक्राफ्ट, दो ए-10 थंडरबोल्ट-2 ग्राउंड-अटैक एयरक्राफ्ट और सात केसी-135 स्ट्रेटोटेकर एरियल रिफ्यूलिंग एयरक्राफ्ट खो दिए। रिपोर्ट से पता चला कि 2 मार्च को कुवैत के ऊपर फ्रेंडली फायर में तीन एफ-15 जेट मार गिराए गए थे, और अगले महीने ईरान के ऊपर एक और जेट मार गिराया गया था। 9 और 10 सितंबर को जॉर्डन के मुवाफक साल्टी एयर बेस पर ईरान के हवाई हमलों के दौरान कम से कम आठ अन्य एफ-15ई विमानों को भी मामूली नुकसान पहुंचा।



45 एमक्यू-9 रीपर मल्टी-रोल अनकूड विमान भी खो दिए

सेना ने एक ई-3 सेट्री एयरबोर्न अल्टी वॉर्निंग-एंड-कंट्रोल सिस्टम विमान, दो एमसी-130जे कमांडो-2 स्पेशल ऑपरेशन्स विमान, एक एएच-60 डब्ल्यू जॉली ग्रीन-2 कॉम्बैट सर्व-एंड-रेस्क्यू हेलीकॉप्टर, एक एमक्यू-4सी ट्राइटन हार्ड-ऑल्टिट्यूड लॉन्ग-एंड्योरिंग अनकूड विमान, तीन एमक्यू-1 मल्टी-रोल अनकूड विमान और 45 एमक्यू-9 रीपर मल्टी-रोल अनकूड विमान भी खो दिए। ई-3 सेट्री सर्वायल प्लेन - जो बोइंग 707 एयरलाइनर पर आधारित एक पुराना लेकिन जरूरी प्लेटफॉर्म है - की कीमत 27 करोड़ डॉलर प्रति विमान है।

क्वाइट हाउस व पेंटागन ने साथी चुप्पी

लड़ाई के दौरान, यूएस ने एक एएच-64 अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर, चार एएच-6 लिटिल बर्ड लाइट अटैक हेलीकॉप्टर और एक एमएच-60 सी हॉक मैरीटाइम हेलीकॉप्टर भी खो दिया। रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि यह आंकड़ा बदल सकता है। मरम्मत के बाद कुछ क्षतिग्रस्त विमान सेवा में वापस आ सकते हैं। ईरान में अमेरिकी सेना द्वारा इस्तेमाल किए गए हथियारों की लागत भी एक महीने से कुछ ज्यादा समय में 6 अरब डॉलर से ज्यादा बढ़ गई है। कांग्रेस के बजट कार्यालय की नवीनतम रिपोर्ट में बताई गई 21.7 अरब डॉलर की लागत से बढ़कर अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुमान में यह 28.1 अरब डॉलर हो गई है। क्वाइट हाउस और पेंटागन ने अभी तक इन रिपोर्टों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

हमले के बाद नेतन्याहू सरकार ने उठाया कदम फ्लाईदुबई की फ्लाइट की इजराइल में अभी नो-एंट्री



● **अबुधाबी**

फ्लाईदुबई ने-दुबई-तेल अवीव फ्लाइट एफजेड1073 के कॉकपिट में ओमानी को-पायलट द्वारा भारतीय कैप्टन रिसत मच्छार पर हमला करने के एक हफ्ते बाद इजराइल के लिए फ्लाइट फिर से शुरू करने की इजाजत मांगी है। हालांकि इजराइली परिवहन मंत्री मिरी रेगव ने इस रिक्वेस्ट को मना कर दिया है।

फ्लाईदुबई ने इजरायली अधिकारियों को बताया कि 30 सितंबर की घटना की उसकी जांच लगभग पूरी हो चुकी है और कई कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया गया है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इजराइल के ट्रांसपोर्टेशन मिनिस्ट्री के अधिकारियों को भी अगले हफ्ते दुबई बुलाया गया है। ओमानी को-पायलट, हम्माम अल-होमानी ने दुबई से तेल अवीव की फ्लाइट के दौरान रिसत मच्छार पर हमला किया था। घायल कैप्टन के कॉकपिट का दस्वाजा खोलने और

क्या है शर्त

चैनल 13 के मुताबिक, हमले के बाद तैयार किए गए ड्राफ्ट की शर्तों के मुताबिक पायलट और क्रू समेत गैर-इजरायली नागरिकों को सरकारी रियू के लिए फ्लाइट से 48 घंटे पहले एक फॉर्म भरकर जमा करना होगा। प्रस्तावित स्क्रीनिंग नियमों के तहत डारेडव कैटेगरी में आने वाले देशों के नागरिकों की भी मोसाद और शिन बेट द्वारा जांच की जाएगी। 30 सितंबर की घटना के बाद फ्लाईदुबई ने तेल अवीव के लिए अपनी फ्लाइट्स सस्पेंड कर दीं। उसने कहा कि यह कदम अधिकारियों के कहने पर उठाया गया था। फ्लाईदुबई के सीईओ गैथ अल गैथ ने एक बयान में कहा, उच्चधिकारियों के कहने पर हमने अगली सुबना तक तेल अवीव के लिए ऑपरेशन कुछ समय के लिए सस्पेंड कर दिए हैं।

यात्रियों द्वारा हमलावर को काबू करने में मदद के बाद एयरक्राफ्ट को डायवर्ट किया गया और सऊदी अरब के ताबुक में सुरक्षित रूप से उतारा गया।

जयशंकर बोले- भारत को नसीहत देने वाला अमेरिका नकल कर रहा

न्यूयॉर्क।विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका से रिश्तों को लेकर कहा कि वह आतंकवाद पर भारत की चिंता नहीं समझता है। इसका असर रिश्तों पर पड़ता है। उन्होंने सोमवार को न्यूयॉर्क में एशिया सोसाइटी के एक कार्यक्रम में कहा, भारत ने कई दशकों तक अपने पड़ोसी देश की ओर से आतंकवाद का सामना किया है। अगर अमेरिका को इसकी गंभीरता समझ नहीं आती, तो रिश्तों पर असर पड़ता है। जयशंकर ने चीन और अमेरिका के बीच बढ़ रही टेंसिटी को लेकर कहा कि अब अमेरिका एक साथ रूस, यूक्रेन और चीन जैसे देशों के साथ संबंध अच्छे कर रहा है। अब वह भारत का डिप्लोमेसी मॉडल अपना रहा है। पहले भारत की इसी नीति को लेकर अमेरिका में आलोचना की जाती थी। पूर्व अमेरिकी राजनयिक डेनियल रसेल ने एशिया सोसाइटी के कार्यक्रम में जयशंकर के साथ बातचीत की।

कोसोवो में जस्टिना नई राष्ट्रपति निर्वाचित, टला मध्यावधि चुनाव

● **प्रिस्टिना**

कोसोवो की संसद ने देर रात अर्थशास्त्री और शिक्षाविद जस्टिना शिरोका पुला को देश का नया राष्ट्रपति निर्वाचित किया। उनके चुनाव के साथ ही संवैधानिक समयसीमा के तहत होने वाला संभावित मध्यावधि चुनाव टल गया।

पुला को 120 सदस्यीय संसद में 81 मत मिले, जो आवश्यक बहुमत से एक अधिक था। यदि संसद राष्ट्रपति का चुनाव करने में विफल रहती तो देश में मध्यावधि चुनाव कराना पड़ता। राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद



उन्होंने कहा कि उनका कार्यकाल केवल किसी एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि देश के नागरिकों, संस्थानों और राज्य का है तथा वह सभी नागरिकों की राष्ट्रपति होंगी। उनका निर्वाचन प्रधानमंत्री अल्बिन कुर्ती की सत्तारूढ़ वेंतेवेंदोजे पार्टी और विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ कोसोवो के बीच हुए समझौते के बाद हुआ।

इससे पहले संसद ने हेग स्थित कोसोवो युद्ध अपराध न्यायालय की शक्तियों को सीमित करने वाले कानून को भी मंजूरी दी। शिरोका पुला कोसोवो एकेडमी ऑफ साइंसस एंड आर्ट्स की अध्यक्ष रह चुकी हैं।

राजपक्षे की पत्नी और पूर्व मंत्री समेत तीन गिरफ्तार

● **कोलंबो**

श्रीलंका में भ्रष्टाचार और रिश्तखोरी जांच आयोग ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे की पत्नी शिरांती राजपक्षे, पूर्व विदेश मंत्री रोहित बोगोलाममा और नेशनल सेर्विस् बैंक (एनएसबी) के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप करियावासम को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया है।

शिरांती राजपक्षे को कोलंबो स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। उन पर सिरिलिया साविया नामक एनजीओ के जरिए कोलंबो के लेडी रिज-वे चिल्ड्रन्स

हॉस्पिटल के लिए जुटाए गए एक करोड़ श्रीलंकाई रुपये (लगभग 30,300 डॉलर) के दान में हेराफेरी करने का आरोप है। उन पर आरोप है कि जिस मेडिल स्कैन मशीन के लिए यह राशि जुटाई गई थी, उसे चीन सरकार ने पहले ही दान में दे दिया था।

राजपक्षे परिवार (एनएसबी) के पूर्व अध्यक्ष प्रदीप करियावासम को अलग-अलग मामलों में गिरफ्तार किया है। शिरांती राजपक्षे को कोलंबो स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। उन पर सिरिलिया साविया नामक एनजीओ के जरिए कोलंबो के लेडी रिज-वे चिल्ड्रन्स



निचले सदन की 400 और सीनेट की 200 सीटें हैं। प्रस्ताव के मुताबिक, अगर कोई पार्टी या गठबंधन कम से कम 42वें वोट हासिल करके सबसे आगे रहता है तो उसे निचले सदन में 70 और सीनेट में 35 बोनस सीटें दी जाएंगी।

ये सीटें कुल संख्या के अंदर ही बांटी जाएंगी। इसका मतलब यह नहीं है कि निचले सदन में 400 के ऊपर 70 सीटें जोड़ दी जाएंगी। कुल सीटें 400 ही रहेंगी। बाकी पार्टियों को 22वें वोट मिले

यूक्रेन के 12 क्षेत्रों पर रूसी मिसाइल व ड्रोन हमला, 4 बच्चों समेत 20 की मौत 60 घायल, जवाब में रूसी तेल ठिकानों पर यूक्रेन ने किए हमले

● **कीव**

रूस ने बुधवार तड़के कीव और यूक्रेन के करीब एक दर्जन दूसरे इलाकों पर मिसाइलों और ड्रोन की बौछार कर दी। हमले में कम से कम 20 आम लोग मारे गए, जिनमें चार बच्चे हैं, और करीब 60 घायल हुए। यूक्रेन को हमले की आशंका थी, फिर भी वह इसे पूरी तरह रोक नहीं सका। जवाब में उसने रूस के तेल ठिकानों पर हमले किए। सबसे बड़ा नुकसान उत्तरी चेरनोहीव इलाके के प्रिलुकी शहर में हुआ। गृह मंत्री इहोर व्हिहवस्की के मुताबिक यहां एक अपार्टमेंट इमारत तबाह हो गई, जिसमें 13 लोगों की जान गई और करीब 50 घायल हुए। मृतकों में चार बच्चे हैं।

पोटोवा इलाके के क्रेमेनचुक में दो लोग मारे गए और सात घायल हुए, वहां बचाव अभियान जारी है। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि कीव समेत तीन अन्य शहरों में भी मौतें हुईं। जेलेंस्की ने एक दिन पहले ही चेतावनी दी थी कि खूपिया एजेंसियों के मुताबिक रूस बड़े हमले की तैयारी में है। हमला रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के 74वें जन्मदिन पर हुआ। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर लिखा कि रूसी दर्द देने वाला कार करना चाहते थे। क्रेमेनचुक के क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन प्रमुख विताली दियाकिवनिच ने कहा कि दुश्मन चाहता है कि लोग सोने से डें, बच्चों को नजरो से दूर न होने दें और कोई योजना न बनाएं।



पेट्रियट मिसाइलों की कमी

यूक्रेन के लिए रूस की बैलिस्टिक मिसाइलें सबसे बड़ी चुनौती हैं। अमेरिका में बने पेट्रियट सिस्टम के लिए गोला बारुद न होने से वह इन्हें रोक नहीं पाता। ईरान युद्ध की वजह से पेट्रियट मिसाइलों की कमी है और यूक्रेन दुनिया भर में इन्हें खोज रहा है। जेलेंस्की के मुताबिक एयर डिफेंस पैकेज अब बेहद जरूरी हैं। ऊंचाई पर उड़ने वाले रूस के नए जेट ड्रोन को पकड़ने के लिए यूक्रेन नए इंटरसेप्टर बनाने में जुटा है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने मिसाइल और ड्रोन बनाने और रखने वाले औद्योगिक ठिकानों को निशाना बनाया। दक्षिणी ओडेसा इलाके में बंदरगाह, जहाज मरम्मत केंद्र और यूक्रेनी सेना का माल ले जा रहे जहाज भी निशाने पर थे। जवाब में यूक्रेन ने रूस के पर्म, समारा और अस्त्राखान इलाकों में दो तेल ठिकानों और एक ट्रेनिंग ग्राउंड पर लंबी दूरी के ड्रोन और मिसाइल दमगे, जेलेंस्की ने बताया। रूसी अधिकारियों ने तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की। जेलेंस्की ने सोची शहर के पास समुद्र में जलते तेल टैंकर की तस्वीरें भी डालीं, जिनकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी। बिना पुष्टि वाली खबरों में कहा गया कि टैंकर नोवोरोसिस्क से भारत के लिए तेल ले जा रहा था और यूक्रेनी समुद्री ड्रोन ने उस पर हमला किया।

शिंजो आबे की याद में पत्नी आकिए ने रुद्राक्ष सेंटर में किया फोटो गैलरी का लोकार्पण

कार्यक्रम के दौरान पति को याद कर आकिए आबे मंच पर ही रो पड़ीं

● **वाराणसी**

जापान के पूर्व पीएम शिंजो आबे की पत्नी आकिए आबे बुधवार को काशी दौरे पर हैं। सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में शिंजो आबे की याद में उन्होंने एक फोटो गैलरी का लोकार्पण किया।

उनके साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। इस दौरान



पति को याद कर आकिए आबे मंच पर ही रो पड़ीं। उनको भावुक होते देख सभी लोग गमगीन हो गए। दिसंबर 2015 में जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो

आबे काशी आए थे। उस दौरान गंगा आरती के साथ ही काशी दौरे की उनकी कई तस्वीरें ली गई थीं, उन सभी तस्वीरों की प्रदर्शनी इस गैलरी में लगी है।

नवांशहर में लक्की पटियाल गिरोह के पांच सदस्य किए गिरफ्तार

फगवाड़ा, आरएनएन। पंजाब में नवांशहर पुलिस ने अमेरिका में रह रहे गैंगस्टर गौरव उर्फ लक्की पटियाल गिरोह से कथित रूप से जुड़े पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से तीन पिस्तौल, 13 कारतूस और चोरी की एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामद हथियारों में एक विदेशी निर्मित पिस्तौल भी शामिल है।

एसएसपी तुषार गुप्ता ने बताया कि आरोपियों की पहचान सल खुर्द निवासी करन राम उर्फ अल्ला, नडालों निवासी सतनाम सिंह उर्फ सबी, लाडिया निवासी तरलोचन सिंह उर्फ तेजा, फरला निवासी करन कुमार और गढ़पन्थाना निवासी गुरदीप सिंह के रूप में हुई है। कार्रवाई सीआईए स्टाफ नवांशहर और सिटी बंगा पुलिस ने की। लक्की पटियाल कथित तौर पर आरोपियों को जालंधर और चंडीगढ़ में दो लोगों को निशाना बनाने का काम सौंपने की तैयारी में था।

इटली में चुनाव जीतने पर एक्स्ट्रा सीटें मिलने पर विवाद

आज संसद में वोटिंग; मेलोनी बोलीं- कानून पास नहीं हुआ तो इस्तीफा दे दूंगी

रोम। इटली में चुनाव जीतने वाली पार्टी या गठबंधन को संसद में एक्स्ट्रा सीटें देने के प्रस्ताव पर विवाद छिड़ गया है। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार यह कानून लाना चाहती है। इसके तहत चुनाव में जीतने वाली पार्टी या गठबंधन को संसद में 105 अतिरिक्त सीटें मिल सकती हैं। हालांकि, इसके लिए उसे दोनों सदनों में कम से कम 42वें वोट हासिल करने होंगे। सरकार का कहना है कि इससे देश में राजनीतिक स्थिरता आएगी और सरकारें बार-बार नहीं गिरेंगी। वहीं, विरोधियों का आरोप है कि इस कानून से चुनाव जीतने वाले गठबंधन को जरूरत से ज्यादा ताकत मिल जाएगी। इस कानून पर आज संसद में वोटिंग होगी है। मेलोनी ने साफ कहा है कि अगर कानून पास नहीं हुआ तो वह इस्तीफा दे देंगी। ऐसे में इस वोटिंग को उनकी सरकार के लिए अहम माना जा रहा है।

कानून लागू हुआ तो किस तरह बटेंगी सीटें?

इटली की संसद में कुल 600 सीटें हैं, जिनमें

अब नए नियम के तहत विजेता पार्टी के गठबंधन को 70 सीटों का बोनस मिलेगा। अगर सिर्फ आसान गणित लगाएं, तो 330 का 43वें = 141.9 यानी करीब 142 सीटें। फिर बोनस- 70 सीटें कुल- लगभग 212 सीटें पार्टी, को करीब 212 सीटें मिलेंगी। बाकी सीटें दूसरी पार्टियों के बीच बांटी जाएंगी। लेकिन वास्तविक चुनावी गणना इतनी सीधी नहीं है, क्योंकि सीटें अलग-अलग क्षेत्रों और पार्टियों की पात्रता के हिसाब से बांटी जाती हैं। साथ ही कानून में विजेता के लिए अधिकतम 220 सीटों की सीमा है। इटली में 80 साल में 68 सरकारें बनीं इटली में सरकारों के अस्थिर रहने का लंबा इतिहास है। 1946 में इटली के गणराज्य बनने के बाद से अब तक वहां 68 सरकारें बन चुकी थीं। पिछले महीने जॉर्जिया मेलोनी ने एक रिकॉर्ड बनाया। सितंबर 2022 में प्रधानमंत्री बनने के बाद उनकी सरकार इटली के इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाली सरकार बन गई। मेलोनी की मौजूदा सरकार का पांच साल का

कार्यकाल अगले साल खत्म होना है। हालांकि, अगर इस कानून को लेकर सत्ताधारी गठबंधन में टूट होती है तो देश में समय से पहले चुनाव भी हो सकते हैं। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी की सरकार का इस प्रस्ताव को लेकर सरकार का तर्क है कि सीटें मिलने से जीतने वाले गठबंधन के पास पर्याप्त ताकत होगी।

विरोधियों ने कहा- इससे लोकतंत्र को खतरा

विरोधियों का कहना है कि अतिरिक्त सीटें मिलने से चुनाव जीतने वाले गठबंधन के पास संसद में जरूरत से ज्यादा ताकत आ सकती है। इससे वह दूसरे सांसदों से बातचीत किए बिना कई बड़े फैसले कर सकेगा। इनमें जजों और राष्ट्रपति की नियुक्ति जैसे अहम मामले भी शामिल हैं। इससे लोकतंत्र को खतरा है। वामपंथी विचारों वाले पत्रकार और राजनीतिक विश्लेषक मासिमो जियायिनी ने इस कानून की तुलना 1923 में बने एक कानून से की। उस कानून ने उस समय नेशनल फासिस्ट पार्टी को संसद पर कब्जा करने में मदद की थी।

न्यूज़ ट्रेक

विक्रम संवत: 2083
 माह/पक्ष: आश्विन मास, कृष्ण पक्ष
 तिथि: त्रयोदशी तिथि (रात 10:17 बजे तक, उसके बाद चतुर्दशी)
 नक्षत्र: पूवाफाल्गुनी नक्षत्र (रात 9:21 बजे तक, उसके बाद मघा)
 योग: शुक्ल योग रात 12:59 बजे तक
 चंद्र राशि: सिंह राशि
 व्रत/ल्योहार: मासिक शिवरात्रि व्रत और त्रयोदशी तिथि श्राद्ध
 सुयोग्य एवं सूर्यास्त
 सूर्योदय: सुबह 06:25 बजे (मानक समय अनुसार)
 सूर्यास्त: शाम 06:04 बजे शुभ मुहूर्त
 ब्रह्म मुहूर्त: सुबह 04:53 बजे से 05:42 बजे तक
 अभिजीत मुहूर्त: दोपहर 12:02 बजे से 12:50 बजे तक
 विजय मुहूर्त :दोपहर 02:24 बजे से 03:12 बजे तक
 गोधूलि मुहूर्त: शाम 06:21 बजे से 06:45 बजे तक।

राशिफल

मेघ:आज का दिन आपके लिए खुशियों और अच्छे संकेतों से भरा रह सकता है।

वृष:आज परिवार और करीबी लोगों के साथ रिश्तों में अपनापन और मजबूती महसूस होगी।

मिथुन:आज का दिन आपको राहत और खुशी देने वाला रहेगा।

कर्क:आज खर्चों की रफ्तार थोड़ी तेज रह सकती है, इसलिए बजट का ध्यान रखना आपके लिए जरूरी होगा।

सिंह:आज का दिन आपके लिए ख़ास और याद रखने लायक हो सकता है।

कन्या:आज का दिन नई उम्मीदों और सकारात्मक बदलावों का संकेत दे रहा है।

तुला:आज आर्थिक मामलों में राहत महसूस होगी और आपकी स्थिति पहले से मजबूत दिखाई देगी।

वृश्चिक:आज जमीन-जायदाद और प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में अच्छे अवसर सामने आ सकते हैं।

धनु:आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपका मान-सम्मान बढ़ सकता है।

मकर:विद्याधियों के लिए आज का दिन उत्साह और खुशी देने वाला रहेगा।

कुंभ:आज का दिन हल्के-फुल्के और खुशनुमा पलों से भरा रह सकता है।

मीन:आज आपको हर कदम थोड़ा सोच-समझकर उठाने की जरूरत है। नौकरीपेशा लोगों को किसी अनजान व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए। पैसों से जुड़ी निजी जानकारी किसी के साथ साझा न करें।

सोना आज 304 सस्ता 1.47 लाख हुआ:चांदी 2,821 गिरकर 1.68 लाख पर आई, जानें अपने शहरों में दाम

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में आज 10 अक्टूबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 304 रुपए गिरकर 1,47,463 रुपए पहुंच गया है। इससे पहले 9 अक्टूबर को यह 1,47,767 रुपए पर था। वहीं, एक किलो चांदी 2,821 रुपए घटकर 2,18,045 रुपए पर आ गई है, जो बुधवार को 2,20,866 रुपए पर था।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी- एक शहर से दूसरे शहर सोना ले जाने में ईंधन और सुरक्षा खर्च जुड़ता है, जिससे दूरी बढ़ने पर दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्रा-दक्षिण भारत में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी खरीद करते हैं, लेकिन छूट का फायदा सीमित रहता है।

लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन-राज्य और शहर के ज्वेलरी एसोसिएशन स्थानीय मांग-सप्लाई के आधार पर रेट तय करते हैं।

पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य-ज्वेलर्स का खरीदी रेट तय करता है कि वे ग्राहकों को कितनी कीमत में बेचेंगे।

ऑल टाइम हाई से 1.68 लाख रुपए गिरी चांदी

इस साल सोने-चांदी की कीमत

एयर इंडिया और सिंगापुर एयरलाइंस ने वाणिज्यिक सहयोग का किया विस्तार

■ एजेन्सी, नई दिल्ली

एयर इंडिया और सिंगापुर एयरलाइंस ने भारत तथा सिंगापुर के बीच हवाई सफर करने वाले यात्रियों को उड़ानों के अधिक विकल्प देने के मकसद से अपने वाणिज्यिक सहयोग के विस्तार की घोषणा की है।

टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने बुधवार को एक्स पोस्ट में कहा कि भारत-सिंगापुर के बीच सफर करने वाले अपने ग्राहकों को ज्यादा सुविधा और लचीलापन देने के लिए हम सिंगापुर एयरलाइंस के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को बढ़ा रहे हैं।

एयर इंडिया ने कहा, इसमें सिंगापुर और भारत



के आठ शहरों, अहमदाबाद, बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोच्चि, कोलकाता और मुंबई- के बीच हर हफ्ते

126 उड़ानें शामिल हैं।

फिलहाल, सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) के जरिये बुक की जाने वाली एयर इंडिया

सीडीएसएल ने लॉन्च किया

रीइमेजिन आइडियाथॉन 2.0

निवेशक जागरूकता को नई दिशा देंगे छात्र

■ एजेन्सी, मुंबई

सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल) ने रीइमेजिन आइडियाथॉन 2.0 शुरू किया है। इसके तहत देशभर के छात्रों को ऐसे नए विचार और समाधान पेश करने के लिए आमंत्रित किया गया है, जो निवेशकों को वित्तीय मामलों की बेहतर समझ देने और साइबर धोखाधड़ी से बचाने में मदद कर सकें। एशिया की पहली सूचीबद्ध डिपॉजिटरी सीडीएसएल के पास 19 करोड़ से अधिक डीमैट खातों की ज़िम्मेदारी है।

वर्ल्ड इन्वेस्टर वीक 2026 के तहत भारत में चलाए जा रहे समझ से इन्वेस्टिंग सिंपल अभियान के दौरान शुरू किया गया यह आइडियाथॉन सेबी के प्रोजेक्ट जागरूक के उद्देश्यों को आगे बढ़ाता है।

इसका मकसद लोगों को वित्तीय मामलों की बेहतर जानकारी देना, सोच-समझकर निवेश के लिए प्रोत्साहित करना और वित्तीय धोखाधड़ी के प्रति जागरूक करना है। ह्रासमज्ञ से इन्वेस्टिंग सिंपल का संदेश है कि सही जानकारी रखने वाला निवेशक ही बेहतर फैसले ले सकता है।

वेदांता एल्युमीनियम अब दो-तिहाई मेटल को वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स के रूप में बेचती है

■ एजेन्सी, मुंबई

वेदांता एल्युमीनियम मैटल लिमिटेड (एनएसई: वीएमएल: बीएसई: 544780) मजबूत ऑपरेटिंग और फाइनेंशियल परफॉर्मेंस के साथ वित्तीय वर्ष 27 की दूसरी छमाही में कदम रख रही है। कंपनी ने जुलाई से सितंबर की तिमाही में अब तक का सबसे अधिक एल्युमीनियम का रिकॉर्ड 649 किलो टन उत्पादन किया। साल की पहली छमाही का उत्पादन भी रिकॉर्ड स्तर पर रहा, जो 1,281 किलो टन था। सितंबर तिमाही के कुल उत्पादन में से 432 किलो टन उत्पादन वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स के रूप में प्लॉट से

निकला; यह कुल उत्पादन का लगभग 67 फीसदी (यानी हर तीन टन में से दो टन) है। कंपनी का लक्ष्य अपने एल्युमीनियम की बिक्री में वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी को लगभग 90 फीसदी तक बढ़ाना है।

साल के दौरान वैल्यू-एडेड उत्पादन में 1,03,000 टन की बढ़ोतरी हुई, जो कुल एल्युमीनियम उत्पादन में हुई 32,000 टन की बढ़ोतरी से तीन गुना से भी अधिक है। कंपनी अपने द्वारा उत्पादित हर टन एल्युमीनियम का एक बड़ा हिस्सा उच्च मूल्य वाले रूपों में बदल रही है। वित्तीय वर्ष 27 की पहली तिमाही में, कंपनी ने ₹6,597 करोड़ का मुनाफा दर्ज किया।

भारत में विकास के अवसरों पर चर्चा की

गोयल ने अमेरिकी कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आने का दिया न्योता



■ एजेन्सी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अपनी अमेरिका की यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क में कई प्रमुख अमेरिकी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठकें कीं। गोयल ने इस बैठकों के दौरान उन्हें भारत में निवेश एवं कारोबार के अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया है।

अमेरिका के दौरे पर गए गोयल ने इस सप्ताह न्यूयॉर्क में अग्रणी अमेरिकी कंपनियों के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ भारत-अमेरिका व्यापार को सुदृढ़ करने के अवसरों पर चर्चा करने और शीर्ष अमेरिकी कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित करने के लिए कई बैठकें कीं। गोयल ने ब्लैकस्टोन के अध्यक्ष एवं मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) जोनाथन ग्रे और ब्लैकस्टोन के अंतरराष्ट्रीय निजी इक्विटी कारोबार के चेयरमैन प्रकाश मेलवानी से

मुलाकात की। इस बैठक में भारत में ब्लैकस्टोन के निवेश तथा विभिन्न क्षेत्रों में साझेदारी को और विस्तार देने पर चर्चा हुई।

गोयल ने न्यूबर्गर बर्मन के चेयरमैन और सीईओ जॉर्ज वॉकर और उनकी नेतृत्व टीम के वरिष्ठ सदस्यों से मुलाकात की। चर्चा में निवेश संबंधों को गहरा करने और वित्तीय एवं धन प्रबंधन सेवाओं में भागीदारी को सुदृढ़ करने के अवसरों पर विचार-विमर्श किया गया। द एस्ट्री लॉंडर कंपनीज के अध्यक्ष और सीईओ स्टीफन डी ला फेवैरी से मुलाकात में उन्होंने भारत में विकास के अवसरों पर चर्चा की, जिसमें विनिर्माण और सोर्सिंग में वृद्धि के माध्यम से विकास के अवसर और भारत के बढ़ते न्यूट्री एंड पर्सनल केयर मार्केट शामिल हैं।

वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक आईबीएम के चेयरमैन और सीईओ अरविंद कृष्णा के साथ हुई उनकी मुलाकात में भारत में आईबीएम की

भागीदारी को और सुदृढ़ करने तथा एआई, क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर, क्वांटम कंप्यूटिंग और अन्य उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग का विस्तार करने पर चर्चा केन्द्रित रही।

मेटलाइफ के अध्यक्ष और सीईओ मिशेल ए. खलाफ के साथ बैठक में चर्चा का केंद्र भारत में कंपनी के विकास के अवसरों और बीमा एवं वित्तीय सेवा सेक्टर के विस्तार पर रहा। गोयल ने जनरल अटलांटिक के चेयरमैन और सीईओ विलियम ई. फोर्ड से मुलाकात में भारत के साथ कंपनी के निवेश एवं व्यापारिक संबंधों को और अधिक सुदृढ़ करने के अवसरों पर चर्चा की।

उन्होंने एआईए ग्रुप के गैर-कार्यकारी अध्यक्ष मार्क टकर से भी मुलाकात की। चर्चा का केंद्र बिंदु भारत में एआईए की भागीदारी और बीमा एवं वित्तीय सेवा सेक्टरों में विद्यमान अवसर थे। इनमें भारत के '2047 तक सभी के लिए बीमा' के विजन के संदर्भ में भी विचार-विमर्श शामिल था।

ई-कॉमर्स कंपनियों की फेस्टिव सेल आज से शुरू

नई दिल्ली। नवरात्रि, धनतेरस और दिवाली का समय भारत में सबसे ज्यादा खरीदारी का समय होता है। ऐसे में नवरात्रि से ठीक पहले आज गुरुवार से ई-कॉमर्स कंपनियों के फेस्टिव सेल शुरू हो चुकी है।

इसमें 80ब तक डिस्काउंट के दावे किए जा रहे हैं। लेकिन भारी छूट के इन विज्ञापनों और %लिमिटेड टाइम डील% के चक्कर में कई बार हम जल्दबाजी में ऐसी चीजें खरीद लेते हैं जिनकी हमें जरूरत ही नहीं थी या फिर फर्जी डिस्काउंट का शिकार हो जाते हैं।

अगर आप भी इस फेस्टिव सीजन में नया फोन, टीवी, लैपटॉप या घर का सामान खरीदने का प्लान बना रहे हैं, तो हड़बड़ी में खरीदारी करने से पहले यह शॉपिंग गाइड जरूर पढ़ लें, ताकि आपका पैसा बचे और आप फर्जी ऑफर्स से भी बच सकें।

1. कहां से क्या खरीदें? (ऑनलाइन 1हा ऑफलाइन)

सब कुछ ऑनलाइन खरीदना समझदारी नहीं है और न ही हर चीज के लिए बाजार जाना जरूरी है। अपनी लिस्ट को दो हिस्सों में बांटेंज

ऑनलाइन क्या और क्यों खरीदें?

ब्रांडेड इलेक्ट्रॉनिक्स और गैजेट्स- स्मार्टफोन, लैपटॉप, स्मार्टवॉच, हेडफोन और टैबलेट। लाजं होम एप्लायंसेज- स्मार्ट टीवी, वॉशिंग मशीन, फ्रिज और ऐसी।

वजहें और फायदे:

ब्रांड फंडेड बैंक डिस्काउंट- त्योहारी सेल में बैंक के डिस्काउंट

जानें- कहां से क्या खरीदें, कैसे मैक्सिमम डिस्काउंट पाएं और हिडन चार्जस से कैसे बचें



ऑफर्स का खर्च ऑनलाइन प्लेटफॉर्मस और ब्रांड्स मिलकर उठाते हैं। रिटेल दुकानदार अपने मार्जिन से इतना बड़ा डिस्काउंट अकेले नहीं दे पाते।

लॉजिस्टिक्स और एक्सचेंज-ई-कॉमर्स कंपनियों के पास स्केप और री-फर्निशड सामान का बड़ा नेटवर्क होता है। इसलिए वे आपके पुराने फोन या टीवी की ऐसी एक्सचेंज वैल्यू दे पाती हैं, जो लोकल दुकानदार के लिए दे पाना संभव नहीं है।

स्पेसिफिकेशंस की ट्रांसपेरेंसी- ऑनलाइन खरीदारी में आप प्रोसेसर वेरिएंट, डिस्ले टाइप या रैम स्पीड जैसे बारीक स्पेक्स की सीधी तुलना कर सकते हैं। ऑफलाइन में सेल्समैन अक्सर वही मॉडल बेचने की कोशिश करता है जो उसके पास स्टॉक में पड़ा हो।

ऑफलाइन खरीदें (लोकल मार्केट या दुकान से)

क्या खरीदें-कपड़े, दीये, दिवाली का सजावटी सामान, बर्तन और भारी फर्निचर।

क्यों खरीदें-कपड़ों का फैब्रिक और फर्निचर की मजबूती आप खुद छूकर देख सकते हैं। दूसरा बड़ा फायदा यह है कि आप दुकानदार से मोलभाव कर सकते हैं और सामान तुरंत घर ला सकते हैं।

2. ज्यादा डिस्काउंट पाने के तरीके

सेल में केवल 50ब या 70ब का बोर्ड देखकर खुश न हों, इन दो बातों से ज्यादा बचत करेंज

कार्ड + एक्सचेंज का डबल ऑफर जोड़ें

मान लीजिए आप 20 हजार का फोन ले रहे हैं। पुराने फोन पर आपको 4 हजार का एक्सचेंज बोनस मिल गया। अब बाकी बचे 16 हजार रुपए

पर या बैंक के कार्ड से पेमेंट करें, तो 10ब इंस्टेंट डिस्काउंट और मिल जाएगा। यानी एक ही सामान पर दो-दो फायदे।

नो-कॉस्ट श्रद्ध्द में बैंक आपसे ब्याज तो माफ कर देता है। लेकिन ध्यान रहे, बैंक आपसे प्रोसेसिंग फीस और उस फीस पर 18ब तस्ख जरूर वसूलता है। इसलिए पेमेंट करने से पहले यह जरूर जोड़ लें कि कुल कितना एक्स्ट्रा पैसा जा रहा है।

3. फेक डिस्काउंट और हिडन चार्जस से बचें

सेल के दौरान कंपनियां कई तरह की चालें चलती हैं, इनसे ऐसे बचेंज दाम बढ़ाकर डिस्काउंट दिखाने का खेल

कई बार कंपनियां सेल से 4-5 दिन पहले सामान की कीमत बढ़ा देती हैं और सेल वाले दिन उस पर भारी डिस्काउंट का टैग लगा देती हैं।

कैसे बचेंज-गूगल पर ग्राहस हिस्ट्री या कीप जैसे फी टूल से चेक करें कि यह सामान पिछले 2-3 महीनों में कितने में बिक रहा था।

नो रिटर्न और हिडन चार्जस चेक करें

सेल में सस्ते के चक्कर में यह देखना न भूलें कि सामान पर नो रिटर्न तो नहीं लिखा है। अगर ऐसा है, तो सामान पर्सद न आने पर पैसे वापस नहीं मिलेंगे, केवल खराबी होने पर ही रिप्लेसमेंट मिलेगा।

इ्रेसिंग रूम के विवादों पर लगा विराम, बोलीं- साथ खेलना बेहद सुखद रहा

विवाद नहीं...सिर्फ प्यार! हरमनप्रीत कौर को स्मृति मंधाना का भावुक संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम में नेतृत्व परिवर्तन के बाद इ्रेसिंग रूम में मनमूढाव और विवाद की चल रही चर्चाओं पर अब विराम लगता दिख रहा है। हरमनप्रीत कौर के सभी प्रशंसकों को कप्तानी छोड़ने और स्मृति मंधाना को टीम की नई कप्तान बनाए जाने के बाद दोनों सीनियर खिलाड़ियों के बीच अनबन की अटकलें लगाई जा रही थी। इन चर्चाओं के बीच मंधाना ने हरमनप्रीत कौर के लिए भावुक संदेश साझा कर साफ संकेत दिया कि दोनों के बीच आपसी सम्मान और रिश्ते मजबूत हैं।

स्मृति मंधाना ने अपनी सामाजिक

माध्यम की कहानी पर हरमनप्रीत कौर की तस्वीर साझा की। इसके साथ उन्होंने लिखा कि हरमनप्रीत के साथ इतने वर्षों तक खेलना बेहद सुखद रहा है। उन्होंने हरमनप्रीत की करीब 10 वर्षों की कप्तानी को शानदार बख्ते हुए कहा कि अब टीम के सभी खिलाड़ी मिलकर देश के लिए आगे भी कई गौरव हासिल करने का प्रयास करेंगे। मंधाना के इस संदेश को भारतीय महिला क्रिकेट टीम के इ्रेसिंग रूम में एकजुटता का मजबूत संकेत माना जा रहा है। कप्तानी परिवर्तन के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच मतभेद को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच यह संदेश सामने आया है।



हरमनप्रीत के नेतृत्व में मिलीं कई बड़ी उपलब्धियां

हरमनप्रीत कौर ने भारतीय महिला टीम की कप्तानी के दौरान कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं। उनके नेतृत्व में भारत ने 2025 का महिला एकदिवसीय विश्व कप जीता। इसके अलावा भारतीय टीम ने लगातार दो एशियाई खेलों में रणजी पदक भी अपने नाम किए। हालांकि, हाल ही में हरमनप्रीत ने सभी प्रारूपों की कप्तानी छोड़ने का फैसला किया। इसके बाद टीम की कप्तान स्मृति मंधाना को चुनी गई। नेतृत्व परिवर्तन के बाद रोशनी में छिट्छिट और क्रिकेट जगत में दोनों वरिष्ठ खिलाड़ियों के बीच संबंधों को लेकर कई तरह की अटकलें सामने आईं।

कौर खिलाड़ी के तौर पर देती रहेंगी साथ

हरमनप्रीत कौर ने यह स्पष्ट किया है कि कप्तानी छोड़ने का मतलब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेना नहीं है। वह आगे भी भारतीय टीम के लिए खिलाड़ी के तौर पर खेलती रहेंगी। ऐसे में नई कप्तान स्मृति मंधाना को उनका अनुभव और समर्थन मिलने की उम्मीद है। हरमनप्रीत का टीम में बने रहना मंधाना के लिए भी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि कप्तानी की जिम्मेदारों सफलते के साथ उन्हें मैदान पर नेतृत्व और टीम प्रबंधन की कई चुनौतियों का सामना करना होगा। स्मृति मंधाना के लिए भारतीय टीम की कप्तानी अंतरराष्ट्रीय करियर की सबसे बड़ी जिम्मेदारियों में से एक है। वह इससे पहले भारत की 18 टी20 और चार एकदिवसीय मैचों में कप्तानी कर चुकी हैं। घरेलू स्तर पर भी उनका नेतृत्व प्रभावशाली रहा है।

बीसीसीआई का बड़ा फैसला

टीम चयन में अब नहीं चलेगा 'फिटनेस का भ्रम', हर बैठक में शामिल होंगे वीवीएस

नई दिल्ली, एजेंसी

बीसीसीआई ने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के चयन की प्रक्रिया को और बेहतर बनाने की दिशा में बड़ा फैसला किया है। बीसीसीआई सचिव देवजीत सेनिया ने बताया कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख और पूर्व भारतीय बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण अब आगे से सचिव पुरुष राष्ट्रीय चयन समिति की सभी बैठकों में मौजूद रहेंगे। यह व्यवस्था अब निर्धारित नियम का हिस्सा होगी। देवजीत सेनिया के मुताबिक, इस फैसले



पर पिछले महीने मुंबई में हुई समझौता बैठक के दौरान सहमति बनी थी। इस बैठक में वीवीएस लक्ष्मण भी मौजूद थे। इसका मुख्य उद्देश्य चयनकर्ताओं और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है, ताकि खिलाड़ियों की उपलब्धता और फिटनेस को लेकर किसी तरह की गलतफहमी न रहे। बीसीसीआई ने अपने इंटरनेट मीडिया मंच पर एक तस्वीर साझा की, जिसमें वीवीएस गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम में हुई सीनियर पुरुष टीम की चयन बैठक में नजर आए। बैठक में बीसीसीआई सचिव के अलावा चयन समिति के सदस्य प्रज्ञान ओझा, एसएस दास और आरपी सिंह भी मौजूद थे। बैठक में न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला और न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीन मैचों की चार दिवसीय श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का चयन किया गया।

खिलाड़ियों की चोट और फिटनेस पर रहेगी सीधी नजर

सेनिया ने कहा कि बीसीएस लक्ष्मण को खिलाड़ियों की चोट और फिटनेस से जुड़ी विस्तृत जानकारी रहती है। ऐसे में उनके फलन बैठक में मौजूद रहने से चयनकर्ताओं को खिलाड़ियों की वर्तमान स्थिति की सही जानकारी मिल सकेगी। बीसीसीआई सचिव ने स्पष्ट किया कि इस बदलाव का उद्देश्य पारदर्शिता बढ़ाना नहीं, बल्कि सही और पूरी जानकारी के अभाव पर बेहतर चयन सुनिश्चित करना है।

लक्ष्मण ने दिखाई राह, गंभीर ने रोका कदम..

कब खत्म होगा 'बेबी बॉस' का इंतजार? रांची के मैदान में पर टिकीं फैस की निगाहें

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के सबसे चर्चित युवा चेहरों में शामिल वैभव सूर्यवंशी इन दिनों एक ऐसे इंतजार से गुजर रहे हैं, जिसने प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। क्या वेयर है, नाम लगातार चर्चा में है और मैदान पर उनके अक्रामक अंदाज को देखने के लिए दर्शक बेताब हैं, लेकिन प्लेइंग इलेवन में जगह अभी भी दूर है। वेस्टइंडीज के खिलाफ लखनऊ में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में वैभव को बाहर बैठना पड़ा। भारत ने संजु सैमसन और अभिषेक शर्मा के साथ पारी की शुरुआत की और टीम प्रबंधन ने अपने पुराने संयोजन पर ही भरोसा जताया।

अब निगाहें 9 अक्टूबर को रांची में होने वाले दूसरे टी20 पर टिक गई हैं। यहां मुकामला सिर्फ भारत और वेस्टइंडीज के बीच नहीं माना जा रहा, बल्कि प्रशंसकों के बीच सबसे बड़ा संकलन यही है कि क्या इस बार 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना बख्त दिखावे का मौका मिलेगा। दूसरे टी20 को लेकर रांची में क्रिकेट प्रेमियों का उत्साह चरम पर है। टिकटों के लिए रात से ही कन्वेंस लगने लगीं। दर्शक भारतीय टीम को मैदान पर देखने के साथ-साथ वैभव की संभावित हट्टी का भी इंतजार कर रहे हैं। वैभव बिहार से आते हैं और रांची का बिहार से पुराना क्षेत्रीय जुड़ाव रहा है। यही वजह है कि स्थानीय दर्शकों के बीच इस युवा बल्लेबाज को लेकर खास अपनाना दिखाई दे रहा है। महेंद्र सिंह धोनी के साथ में अब प्रशंसक एक और युवा सितारे का बख्ते से जलवा देखने की उत्सुक



गंभीर के सामने संजु-अभिषेक का मजबूत तर्क

गोतम गंभीर की अगुआई वाले टीम प्रबंधन के सामने सबसे बड़ा तर्क मौजूद सलामी जोड़ी का प्रदर्शन और टीम संयोजन है। संजु सैमसन और अभिषेक शर्मा को पारी की शुरुआत के लिए लगातार मौका मिल रहा है। टी20 क्रिकेट में टीम का संतुलन और तय संयोजन काफी महत्वपूर्ण होता है। लखनऊ में भारत ने आठ विकेट से मुकाबला जीत लिया। ऐसे में जीत दिवाने वाले संयोजन में तुरंत बदलाव करने का कोई मजबूत कारण भी नजर नहीं आता। संजु और अभिषेक भले ही बड़ी पारी नहीं खेल सके, लेकिन ईशान विष्टान और केंसल अख्यार ने लक्ष्य असाानी से हासिल कर दिया। यही वजह है कि वैभव को बाहर रखना पूरी तरह गलत फैसला कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन इसी के बावजूद एक रायल लगातार खड़ा हो रहा है—उमर किर्री खिलाड़ी को मौका डी नहीं दिया जाएगा तो उसकी अंतरराष्ट्रीय क्षमता का सही आकलन कैसे होगा?

अब वैभव की पहचान सिर्फ उस नहीं

वैभव सूर्यवंशी की अब केवल 15 साल के युवा बल्लेबाज के तौर पर देखना उनकी पूरी तस्वीर नहीं होगी। कम उम्र में आईपीएल में प्रभाव छोड़ने के बाद उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी अपनी छाप छोड़ी है। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में अर्धशतक ने उनके आत्मविश्वास और अक्रामक बल्लेबाजी की झलक दिखा दी थी।

जीत के बावजूद खत्म नहीं हुआ वैभव का सवाल

लखनऊ में भारत की जीत ने टीम प्रबंधन के फैसले को मजबूती जरूर दी, लेकिन वैभव को लेकर उठ रहा सवाल खत्म नहीं हुआ। एक-दो मुकाबलों में बाहर बैठना किसी युवा खिलाड़ी के लिए असामान्य नहीं है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी जगह पकड़ बनने के लिए इंतजार भी करियर का हिस्सा होता है। लेकिन लगातार इंतजार की स्थिति में रायल उठना राश्वामिक है। यदि टीम प्रबंधन वैभव को भविष्य की बड़ी योजनाओं का हिस्सा मानता है, तो किसी कारण पर उन्हें लगातार अवसर देना भी जरूरी होगा। खासकर तब, जब वह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी क्षमता की झलक दिखा चुके हैं। रांची में अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या गोतम गंभीर एक बार फिर संजु सैमसन और अभिषेक शर्मा की सलामी जोड़ी पर भरोसा करेंगे या वैभव सूर्यवंशी के लिए दरवाजा खोलेंगे।

भुवनेश्वर के लिए खुश टीम इंडिया का दरवाजा

न बयानबाजी, न हार मानी, बस गेंद से देते रहे जवाब, रंग लाई 4 साल की तपस्या

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट में कुछ वापसी ऐसी होती हैं, जो सिर्फ टीम में जगह बनाने तक सीमित नहीं रहती, बल्कि संघर्ष, धैर्य और जुनून की मिसाल बन जाती हैं। तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की चार साल बाद भारतीय टीम में वापसी भी ऐसी ही कहानी है। 22 नवंबर 2022 को भारतीय टीम की जर्सी में अखिरी मुकामला खेलने वाले भुवनेश्वर ने लंबा इंतजार करने के बाद 36 साल की उम्र में फिर राष्ट्रीय टीम में जगह बना ली है। पिछले चार वर्षों में भारतीय टीम में कई युवा तेज गेंदबाजों ने दस्तक दी। एक समय टीम के प्रमुख स्विंग गेंदबाज रहे भुवनेश्वर कुमार का नाम धीरे-धीरे चयनकर्ताओं की चर्चाओं से भी दूर होता गया। हालात यहाँ तक पहुँच गए थे कि कई क्रिकेट विशेषज्ञ उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा का इंतजार करने लगे थे। लेकिन भुवनेश्वर ने न तो कोई विश्वास की और न ही बयानबाजी। उन्होंने मैदान पर अपनी मेहनत जारी रखी और गेंदबाजी में लगातार सुधार करते रहे।



की चर्चाओं से भी दूर होता गया। हालात यहाँ तक पहुँच गए थे कि कई क्रिकेट विशेषज्ञ उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा का इंतजार करने लगे थे। लेकिन भुवनेश्वर ने न तो कोई विश्वास की और न ही बयानबाजी। उन्होंने मैदान पर अपनी मेहनत जारी रखी और गेंदबाजी में लगातार सुधार करते रहे।

आईपीएल में प्रदर्शन ने खोला टीम इंडिया का दरवाजा

भुवनेश्वर के लिए आईपीएल 2025 शानदार रहा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलते हुए उन्होंने 17 विकेट हासिल किए। खासतौर पर अंतिम ओवरों में उनकी राटीक गेंदबाजी ने सभी का ध्यान खींचा। उनके प्रदर्शन ने बेंगलुरु को खेती बार सिलसबा जीतने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसके बाद आईपीएल 2026 में भुवनेश्वर ने अपने प्रदर्शन का स्तर और ऊँचा कर दिया। उन्होंने 16 मुकामलों में 17.99 की औसत से 28 विकेट चटकाए और टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे स्थान पर रहे।

दावा- खिलाड़ियों से इनाम में 20% कमीशन मांग रहे अधिकारी

पैरा शूटर्स बोले- इनकार किया तो एशियन गेम्स के लिए सिलेक्शन नहीं हुआ, जांच की मांग



एजेंसी नई दिल्ली

पैरा एशियन गेम्स के लिए भारतीय दल के सिलेक्शन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगे हैं। एशिया के नंबर-1 और नंबर नंबर-3 पिस्टल शूटर आकाश और संदीप कुमार ने दावा किया है कि- अधिकारियों ने उनसे कहा कि अगर इवेंट में मेडल आता है और सरकार उस पर इनाम देती है तो 20व रकम कमीशन के दौरे पर देनी होगी।

शूटर्स ने बताया कि पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अधिकारियों और शूटिंग टेक्निकल कमेटी के सदस्य कमीशन मांगने वाले लोगों में शामिल हैं। शूटर्स ने कॉलिगेशन स्कोर में हेरफेर और चयन समिति में बदलाव किए जाने के आरोप भी लगाए हैं।

खिलाड़ियों ने साईं महानिदेशक से पूरे मामले की जांच की मांग की है। पांचवें पैरा एशियन गेम्स 18 से

14 अक्टूबर तक जापान के आइजी-नागोया में होना है। यहाँ 20वें एशियन गेम्स भी हुए हैं।

इंटरनेशनल कोटे में भी हेरफेर का आरोप

शूटर्स ने दावा किया कि भारत को मिले 15 अंतराष्ट्रीय कोटा स्थानों में से दो का इस्तेमाल नहीं किया गया। आरोप है कि अगली रैंकिंग के खिलाड़ियों ने कथित वित्तीय माँगें पूरी करने से इनकार किया, इसलिए ये स्थान सरेंजर कर दिए गए।

शूटिंग टेक्निकल कमेटी और कोटा स्थानों के आवंटन में रैंकिंग और प्रदर्शन के बजाय वित्तीय आधार पर फैसला लेने का भी आरोप लगाया है।

एशिया नंबर-1 शूटर को नहीं चुने जाने पर सवाल

50 मीटर फ्री पिस्टल सा। में

एशिया रैंकिंग में तीसरे नंबर के संदीप कुमार ने दावा किया किया कि उन्हें और आकाश पीछे छोड़कर एशिया रैंकिंग में 14वें नंबर के रुद्राक्ष खंडेलवाल का चयन किया गया। संदीप ने कहा- यह चयन नियमों का उल्लंघन है और हमारे साथ भेदभाव है।

अध्यक्ष बोले- चयन 100% निष्पक्ष

अध्यक्ष और दो बार के पैरालंपिक जैवलिन थ्रो के गोल्ड मेडलिस्ट देवेंद्र झाझरिया ने सभी आरोपों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि चयन तय मानकों के अनुसार हुआ है और किसी खिलाड़ी के साथ भेदभाव नहीं किया गया।

झाझरिया ने संदीप के इस आरोप को भी गलत बताया कि उन्हें कोच से जुड़े किसी खिलाड़ी के पक्ष में टीम से बाहर किया गया। खेल मंत्रालय के एक सूत्र के मुताबिक, पैरा-शूटर्स की वास्तविक शिकायतों पर गौर होगा, टीम में बदलाव नहीं खेल मंत्रालय के एक सूत्र के मुताबिक, पैरा-शूटर्स की वास्तविक शिकायतों पर गौर किया जाएगा। हालांकि, पैरा एशियन गेम्स के लिए टीम का चयन अंतिम रूप से हो चुका है और इस स्तर पर इसमें बदलाव नहीं किया जा सकता। खिलाड़ियों ने कहा है कि शिकायतों का समाधान नहीं हुआ तो वे संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत हाई कोर्ट का रुख कर सकते हैं।

एजेंसी नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया के ओपनर जेक वेदराल्ड के सिर में चोट लगी है। वे शेफील्ड शील्ड ट्राफी के पहले मैच में विक्टोरिया के खिलाफ फील्डिंग के दौरान बाउंड्री पर मेटल बोर्ड से टकरा गए। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में बुधवार को टकरा के बाद वेदराल्ड ठीक थे। उन्होंने दिनभर फील्डिंग भी की। लेकिन, रात में सिर की चोट गंभीर हो गई।

सुबह मेडिकल टेस्ट के बाद उन्हें मैच से बाहर कर दिया गया। उनकी जगह मैथ्यू गिल्क्स को कन्केशन सब्टीट्यूट बनाया गया है।

क्रि केट ऑस्ट्रेलिया ने चोट का वीडियो जारी किया

ओली पीक का शॉट रोकते समय मेटल बोर्ड से टकराया सिर हादसा विक्टोरिया की पहली पारी के 24वें ओवर में हुआ। ओली पीक ने कवर में शॉट खेला। वेदराल्ड ने बाउंड्री बचाने के लिए स्टाइड की।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर वेदराल्ड के सिर में चोट, दिमाग पर असर

बाउंड्री बचाने में मेटल बोर्ड से टकराए, अगले दिन मैच से बाहर हुए



वह फिसलते हुए बाउंड्री के आगे निकल गए। इसी दौरान उनके सिर का पिछला हिस्सा बाउंड्री पर लगे मेटल एडवर्टाइजिंग बोर्ड से टकरा गया। साथी खिलाड़ी ने तुरंत उनकी मदद की। उस समय वे ठीक थे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस घटना का वीडियो भी जारी किया है। वेदराल्ड गेंद रोकने के चक्र र में बाउंड्री से टकरा गए और उनके सिर में चोट लगी। वेदराल्ड गेंद रोकने के चक्र र में बाउंड्री से टकरा गए

और उनके सिर में चोट लगी। लक्षण देर से आने पर मेडिकल जांच, वापसी प्रोटोकॉल के तहत कन्केशन गाइडलाइन के अनुसार सिर पर चोट लगने पर खिलाड़ी की मेडिकल जांच की जाती है। चोट गंभीर होने पर उसे मैच से बाहर कर दिया जाता है। क्रि केट ऑस्ट्रेलिया की गाइडलाइन के अनुसार प्लेयर को वापसी के लिए पूरी तरह ठीक होना पड़ता है। डॉक्टर की निगरानी में उसकी धीरे-

धीरे ट्रेनिंग शुरू की जाती है। खिलाड़ी को कम से कम 14 दिन तक ठीक होने के बाद फुल ट्रेनिंग और चोट के दिन से कम से कम 21 दिन बाद ही मैच में वापसी कर सकता है। इसके लिए मेडिकल क्लियरेंस जरूरी है। गिल्क्स दूसरी पारी में बैटिंग करेंगे सब्टीट्यूट मैथ्यू गिल्क्स पहली पारी में बल्लेबाजी नहीं कर सकेंगे, क्योंकि वेदराल्ड पहले ही आउट हो चुके हैं।

हालांकि, साथउ ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में गिल्क्स बल्लेबाजी के लिए उतर सकेंगे।

विक्टोरिया ने पहली पारी में 244 रन बनाए। जवाब में साउथ ऑस्ट्रेलिया ने पहले दिन स्टंप्स तक एक विकेट पर 4 रन बना ली हैं। टीम 240 रन पीछे है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम से बाहर हैं वेदराल्ड

31 साल के वेदराल्ड ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम से बाहर हैं। वे अपनी पुरानी टीम साउथ ऑस्ट्रेलिया के जरिए नेशनल टीम में वापसी की राह तलाश रहे हैं। शेफील्ड शील्ड से पहले उन्होंने साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए वनडे कप में 92 रन की पारी खेली थी। घरेलू फी केट में अच्छे प्रदर्शन के जरिए वह दोबारा ऑस्ट्रेलिया की टेस्ट टीम में जगह बनाने की कोशिश में हैं।

गुमला की 11 साल की बेटी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाई पहचान तीन किताबें लिखकर मानद डॉक्टरेट का बनाया विश्व रिकॉर्ड

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

गुमला। गुमला की महज 11 साल की बेटी आरोही खंडेलवाल ने अपनी प्रतिभा और मेहनत के दम पर ऐसा मुकाम हासिल किया है, जो जिले के साथ-साथ झारखंड और देश के लिए भी गवं की बात है। कक्षा छह में पढ़ने वाली आरोही का नाम बुक ऑफ़ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया है। आरोही ने मात्र 11 साल, 7 महीने और 17 दिन की उम्र में कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में मानद डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की। इसी उपलब्धि के आधार पर उनका नाम विश्व रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। आरोही ने दशावतार, गोकुल लीला और हर कहानी एक शिक्षा जैसी तीन किताबें लिखी हैं। कम उम्र में लेखन के क्षेत्र में किए गए उनके इस प्रयास और कला एवं संस्कृति के प्रति उनके योगदान को देखते हुए उन्हें यह सम्मान मिला। उनकी उपलब्धि ने यह साबित किया है कि उम्र प्रतिभा के रास्ते में बाधा नहीं बनती, जरूरत है तो केवल सही दिशा, लगन और



निरंतर मेहनत की। आरोही की मां सीमा खंडेलवाल बताती हैं कि महज चार वर्ष की उम्र से ही आरोही ने हनुमान चालीसा का पाठ करना शुरू कर दिया था। छोटी उम्र में ही उसकी रूचि धार्मिक और आध्यात्मिक विषयों की और दिखाई देने लगी। परिवार ने उसकी प्रतिभा को पहचाना और उसे उसी दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

धीरे-धीरे आरोही ने धार्मिक विषयों के साथ-साथ लेखन, चित्रकला और अन्य रचनात्मक गतिविधियों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना शुरू

किया। आरोही ने हनुमान चालीसा और रामायण से जुड़ी जानकारी के साथ-साथ गणित के ट्रिक्स और सवालों को हल करने में भी अपनी क्षमता दिखाई है। इन उपलब्धियों के लिए उसे समय-समय पर कई सम्मान और पुरस्कार मिल चुके हैं। इसके अलावा आरोही पेंटिंग में भी काफी रूचि रखती हैं और इस क्षेत्र में भी कई पुरस्कार अपने नाम कर चुकी हैं। आरोही की उपलब्धियों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनके घर का एक कमरा पुरस्कारों और सम्मान से सजा



हुआ है। कर्मरे में रखे पुरस्कारों को देखकर ऐसा लगता है कि ये उपलब्धियां किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि कई लोगों की वर्षों की मेहनत का परिणाम होंगी। लेकिन आरोही ने महज 11 साल की उम्र में ही इतने पुरस्कार और सम्मान हासिल कर अपने परिवार को गौरवान्वित किया है। जिस उम्र में भी अधिकांश बच्चे खेलकूद और मोबाइल गेम में अपना काफी समय बिताते हैं, उस उम्र में आरोही ने पढ़ाई के साथ-साथ लेखन, कला, संस्कृति, आध्यात्मिक ज्ञान और

चित्रकला के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। अपनी सफलता को लेकर आरोही का कहना है कि बच्चों को अपना ज्यादा समय मोबाइल और टीवी देखने में बर्बाद नहीं करना चाहिए। समय का सदुपयोग कर बच्चे अपनी प्रतिभा को निखार सकते हैं और अलग-अलग क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं। उनका मानना है कि यदि बच्चे अपने रूचि के क्षेत्र में निर्यात मेहनत करें तो कम उम्र में भी बड़ी उपलब्धियां हासिल की जा सकती हैं। आरोही भविष्य में आईएएस अधिकारी बनना

चाहती हैं। उनका कहना है कि वह बड़ा अधिकारी बनकर समाज और क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के लिए काम करना चाहती हैं। गुमला की समस्याओं को लेकर भी वह जागरूक हैं। उन्होंने गुमला उपायुक्त संमक्ष शहर में फुटपाथ की जरूरत का मुद्दा उठाया है।

उनका कहना है कि फुटपाथ होने से लोगों को सड़क के किनारे सुरक्षित पैदल चलने की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा वह शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या को लेकर भी चिंतित हैं। आरोही का सपना भविष्य में कई किताबें लिखने और समाज के लिए बेहतर काम करने का है। उनकी सोच और कम उम्र में हासिल की गई उपलब्धियां निश्चित रूप से उन्हें अन्य बच्चों से अलग बनाती हैं। आरोही की कहानी होनहार बिरबान के होत चिकने पात कहावत को चर्चितार्थ करती है। अपनी प्रतिभा, मेहनत और लगन से वह न केवल अपने परिवार, बल्कि गुमला जिले, झारखंड और पूरे देश का नाम रोशन कर रही हैं।

श्याम भजनों से गूंजा झुमरी तिलैया, डांडिया की ताल पर थिरके श्याम प्रेमी

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

झुमरी तिलैया। भक्ति के सुरों में बाबा श्याम की महिमा का गुणगान, माता रानी के जयकारों से गूंजता माहील और फिर डांडिया की ताल पर थिरके कदम। नवरात्रि के उल्लास और श्याम भक्ति का ऐसा ही मनमोहक संगम शनिवार को पीजी विराज होटल में देखने को मिला। श्री श्याम सेवा परिवार की ओर से आयोजित मासिक श्याम कीर्तन एवं नवरात्रि विशेष डांडिया महोत्सव में बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी शामिल हुए और देर तक भक्तिसर एवं उत्सव के रंग में सराबोर रहे। कार्यक्रम में पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष शालिनी गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने बाबा श्याम के दरबार में शीश नवाकर सभी श्रद्धालुओं को नवरात्रि एवं श्याम भक्ति की शुभकामनाएं दीं। अपने सांक्षिप्त संबोधन में उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और एकजुटता को मजबूत करते हैं। उन्होंने श्री श्याम सेवा परिवार के सेवा एवं धार्मिक कार्यों की सराहना करते हुए आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा श्याम के पूजन एवं भजनों के साथ हुई। मुख्य भजन गायक अभिषेक नामा ने एक से बढ़कर एक श्याम भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। बाबा श्याम की महिमा, उनकी कृपा और भक्तों के प्रति उनके प्रेम को समर्पित भजनों पर श्याम प्रेमी जयकारे लगाते हुए झूमते रहे। वातावरण में भक्ति की ऐसी धारा बही कि श्रद्धालु देर तक भजनों में रमते नजर आए। वहीं धनबाद से पहुंचे भजन गायक लक्ख़ा जी ने माता रानी के भजनों की शानदार प्रस्तुति दी। नवरात्रि के अनुरूप प्रस्तुत किए गए भजनों से कार्यक्रम में देवी आराधना का रंग और गहरा हो गया। स्थानीय भजन प्रवाहकों खुशबू, आराध्या एवं



सत्यम सहित अन्य श्याम प्रेमियों ने भी अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधा। श्रद्धालुओं ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। शिजम एवं ग्रुप के मधुर संगीत ने पूरे कार्यक्रम को भक्ति और संगीत से जोड़ दिया। कीर्तन के यजमान रोहित मोदी एवं उनकी धर्मपत्नी समेत समस्त मोदी परिवार रहे। कार्यक्रम के संयोजक दीपक चंद्रवंशी रहे, जबकि संचालन गिरधारी सोमानी एवं बबलू सिंह ने किया। कार्यक्रम में श्री श्याम सेवा परिवार के अध्यक्ष बंटी साहबादी, सचिव विक्की मोदी सहित बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी एवं सेवादार मौजूद रहे। श्याम कीर्तन के बाद नवरात्रि विशेष डांडिया महोत्सव का आयोजन किया गया। डांडिया की धुन बजते ही माहील पूरी तरह उत्सवी हो गया। रंग-बिरंगे परिधानों में सजे महिला-पुरुष और युवाओं ने डांडिया की ताल पर जमकर नृत्य किया। एक-दूसरे के साथ कदम मिलाते प्रतिभागियों ने आयोजन को यादगार बना दिया। भक्ति के साथ मनोरंजन और सामाजिक मेलजोल का यह रंग देर तक छाया रहा। डांडिया एवं विशेष परिधान में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को लक्ष्मी भूषणालय के प्रोपराइटर राजकुमार वर्मा की ओर से पुरस्कार स्वरूप चांदी का सिक्का प्रदान कर सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि श्री श्याम सेवा परिवार का मासिक श्याम कीर्तन बाबा श्याम की भक्ति को जन-जन तक पहुंचाने के साथ समाज में प्रेम, भाईचारा, सेवा और सांस्कृतिक एकता की भावना को मजबूत करने का माध्यम है।

127 वर्ष पुरानी है दारू की दुर्गा पूजा, आज भी कायम है वैष्णव परंपरा

संधि पूजा में भतुवा और ईख की बलि की अनूठी परंपरा, विजयादशमी पर कंधों पर उठाकर मां की प्रतिमा का होता है विसर्जन

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

हजारीबाग। दारू प्रखंड की ऐतिहासिक दुर्गा पूजा इस वर्ष भी अपनी 127 वर्ष पुरानी धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं के साथ आयोजित होने का रही है। वर्ष 1899 में यहाँ पहली बार मां दुर्गा की पूजा प्रारंभ हुई थी। बताया जाता है कि भैया भैरव लाल के पुत्र भैया बैजनाथ सहाय ने खरैरल से निर्मित मंडप में मां दुर्गा की पूजा की शुरुआत की थी। कालांतर में यह पूजा आसपास के क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाने लगी। बुजुर्गों के अनुसार, उस समय हजारीबाग के कोरों से लेकर बगोदर तक के विस्तृत क्षेत्र में दारू में ही दुर्गा पूजा का आयोजन प्रमुख रूप से होता था। यही वजह है कि दारू की दुर्गा पूजा आज भी आस्था के साथ-साथ क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक मानी जाती है। इस पूजा की सबसे खास विशेषता



इसकी वैष्णव पद्धति है। यहां आज भी पारंपरिक वैष्णव विधि-विधान से मां दुर्गा की आराधना की जाती है। संधि पूजा के दौरान भतुवा और ईख की बलि देने की अनूठी परंपरा निर्भाई जाती है। वहीं एक पूजा से लेकर नवमी पूजा तक प्रतिदिन विशेष आरती का आयोजन किया जाता है। आरती में महिलाओं और कुमारी कन्याओं की बड़ी भागीदारी रहती है। आरती के समय श्रद्धालु महिलाओं की लंबी कतार और भक्तिमय वातावरण पूजा की विशेष पहचान बन चुका है। दारू की दुर्गा पूजा केवल धार्मिक आयोजन तक

सीमित नहीं रही है, बल्कि इससे सांस्कृतिक गतिविधियों का भी गहरा जुड़ाव रहा है। पूर्व में पूजा के दौरान स्थानीय कलाकारों द्वारा नाटकों का मंचन किया जाता था। इन प्रस्तुतियों को देखने के लिए दूर-दराज के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचते थे। बुजुर्ग आज भी उन दिनों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की यादें साझा करते हैं। समय के साथ दुर्गा मंडप का स्वरूप बदला और पूजा का आयोजन भी भव्य होता गया, इस वर्ष के श्री श्री दुर्गा पूजा समिति दारू के महा अध्यक्ष भैया

कृपानंद प्रसाद संयोजक भैया जितेंद्र नारायण प्रसाद महासचिव कमल किशोर प्रसाद अध्यक्ष भैया संतोष कुमार सिन्हा सचिव राजकुमार सिन्हा कोषाध्यक्ष राकेश कुमार सिन्हा वहीं कार्यकारिणी के सदस्य राजन सिन्हा , रोशन सिन्हा , प्रभाकर सिन्हा, भैया आजाद, प्रवीण कुमार, सुमन सिन्हा, भैया सुमित कुमार, अंकित अनुराग नितेश कुमार, भैया अखिलेश कुमार, भैया राहुल, भैया निहाल कुमार,भैया मंजित, सिंहत अन्य लोगों का सराहनीय योगदान है।

आईएमए धनबाद शाखा के अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि मुख्यमंत्री की माताजी के निधन पर चिकित्सा जगत में शोक तीन दिनों के लिए टला 'काला बिल्ला' विरोध कार्यक्रम

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद। झारखंड के मुख्यमंत्री की माताजी रूपी सोरेन के निधन पर पूरे राज्य के चिकित्सा समुदाय में गहरी शोक की लहर है। इस दुःखद घटना पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) झारखंड राज्य शाखा सहित प्रदेश के सभी 10 संयुक्त चिकित्सा संगठनों ने गहरी संवेदना व्यक्त की है। चिकित्सकों ने इस समाचार को अत्यंत मर्मांतक बताया है दुर्घटन आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। इस दुःख की घड़ी में मुख्यमंत्री और उनके शोक संताप परिवार के प्रति गहरा सम्मान और संवेदना प्रकट करते हुए चिकित्सा



संगठनों ने एक बड़ा निर्णय लिया है। आईएमए झारखंड राज्य शाखा के नेतृत्व में सभी 10 संयुक्त चिकित्सा संगठनों ने सर्वसम्मति से यह फैसला किया है कि 9 अक्टूबर को प्रस्तावित 'काला बिल्ला विरोध कार्यक्रम' (ब्लैक बैज प्रोग्राम) को आगामी तीन दिनों के लिए स्थगित कर दिया

गया है। संगठनों के पदाधिकारियों का कहना है कि यह निर्णय पूर्णतः मानवीय संवेदना, शोक की गरिमा बनाए रखने और मुख्यमंत्री के परिवार के प्रति आदर भाव के तहत लिया गया है। चिकित्सा संगठनों ने स्पष्ट किया है कि 'काला बिल्ला विरोध कार्यक्रम' को छोड़कर, पहले से निर्धारित अन्य सभी कार्यक्रम और संयुक्त कार्ययोजना (जॉइंट एक्शन प्लान) पहले की तरह ही जारी रहेंगे। संयुक्त चिकित्सा संगठनों ने यह पूर्ण विश्वास जताया है कि राज्य सरकार चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े उनके महत्वपूर्ण विषयों और मांगों पर सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण के साथ

विचार करेगी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) धनबाद शाखा के पदाधिकारियों ने भी इस दुःखद घड़ी में अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट की हैं। आईएमए धनबाद के अध्यक्ष डॉ. ओ. पी. अग्रवाल, सचिव डॉ. राकेश इंंदर और कोषाध्यक्ष डॉ. प्रणय ने संयुक्त शोक संदेश जारी करते हुए कहा, हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि शोक संतप्त परिवार को इस शोक दुःख की सहन करने की शक्ति प्रदान करें। दिवंगत आत्मा को हमारी ओर से विनम्र श्रद्धांजलि। चिकित्सकों ने अपने मूल उद्देश्य सुरक्षित चिकित्सक और सुरक्षित चिकित्सा, सुरक्षित मरीज को भी दोहराया।

दुधमटिया में प्रकृति की कलाई पर बंधा रक्षा सूत्र, हजारों लोगों ने लिया जंगल बचाने का संकल्प

31वें वर्ष का वृक्ष रक्षाबंधन समारोह में दिखी पर्यावरण संरक्षण की जनशक्ति, पीसीसीएफ से लेकर ग्रामीणों तक ने पेड़ों को बांधा रक्षा सूत्र

रफ़्तार मीडिया संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग के टाटी टाटीझरिया के दुधमटिया की धरती बुधवार को पर्यावरण संरक्षण के सामूहिक संकल्प की साक्षी बनी। 31वें पर्यावरण मेला सह वृक्ष रक्षाबंधन समारोह में हजारों लोगों ने पेड़ों को रक्षा सूत्र बांधकर जंगल और प्रकृति की रक्षा का संकल्प लिया। वर्ष 1995 में पर्यावरणविद् महादेव महतो की पहल से शुरू हुई यह अनूठी परंपरा आज जनआंदोलन का रूप ले चुकी है। समारोह के दौरान दुधमटिया परिसर में प्रकृति के प्रति आस्था और जिम्मेदारी का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन बल प्रमुख) संजीव कुमार, मुख्य वन संरक्षक ममत



प्रियदर्शिनी, पर्यावरणविद् महादेव महतो, परमेश्वर यादव एवं सुरेंद्र कुमार सिंह ने किया। वन विभाग के अधिकारियों और कर्मियों ने पीसीसीएफ संजीव कुमार का शॉल और पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। समारोह के दौरान पीसीसीएफ संजीव कुमार और सीएफ ममता प्रियदर्शिनी ने

पोधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जंगल केवल पेड़ों का समूह नहीं, बल्कि जल, वायु, मिट्टी, वन्यजीव और मानव जीवन के बीच सतुलन बनाए रखने वाली प्राकृतिक व्यवस्था है। जंगलों की सुरक्षा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य से जुड़ी हुई है। इसके लिए सरकारी प्रयासों के साथ समाज

की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। **पेड़ों को बांधा रक्षा सूत्र, लिया संरक्षण का संकल्प** वृक्ष रक्षाबंधन कार्यक्रम में पीसीसीएफ संजीव कुमार, सीएफ ममता प्रियदर्शिनी, उपायुक्त हेमंत सती, पर्यावरणविद् महादेव महतो, प्रमुख संतोष मंडल, मांडू विधायक निर्मल महतो, बटेश्वर मेहता, पूर्व सांसद भुवनेश्वर प्रसाद मेहता, सीओ अमित कुमार झा, थाना प्रभारी इंद्रजीत कुमार सहित जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पेड़ों को लाल कपड़ा बांधा। लोगों ने संकल्प लिया कि वे पेड़ों की कटाई रोकने, अधिक से अधिक पौधे लगाने और प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा के लिए अपने स्तर पर लगातार प्रयास करेंगे। पर्यावरण संरक्षण और वृक्षों

की सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पर्यावरणविद् महादेव महतो, परमेश्वर यादव, सुरेंद्र कुमार सिंह, सुधा कुमारी, मनीष चौधरी एवं दिनेश खंडेलवाल को अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। मेले में डीएवी, सैनफोर्ड पब्लिक स्कूल, नेशनल पब्लिक स्कूल और क्निफ्टव स्कूल सहित विभिन्न विद्यालयों के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। नृत्य और नाटक के माध्यम से बच्चों ने पेड़ों के महत्व, जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संतुलन का संदेश दिया। बच्चों की प्रस्तुतियों को दर्शकों ने खूब सराहा। पर्यावरण के दिने में झुले, तारामची, बेक डॉग, खिलौनों की दुकानें और मीना बाजार लोगों के आकर्षण का केंद्र

रहे। सुबह से ही लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। दोपहर तक मेला काफी लोगों की भीड़ जुट गई। कार्यक्रम में डीएफओ पश्चिम मनु प्रकाश, फरिस्टर संजीत कुमार, विद्याभूषण सहित वन विभाग के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में वनकर्मी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन सुरेंद्र सिंह ने किया वहीं भीड़ को देखते हुए टाटीझरिया थाना प्रभारी इंद्रजीत कुमार पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे।दुधमटिया का वृक्ष रक्षाबंधन समारोह एक बार फिर यह संदेश दे गया कि जब समाज पेड़ों को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवन का आधार मानकर उनकी रक्षा का संकल्प लेता है, तब पर्यावरण संरक्षण वास्तव में जनआंदोलन बन जाता है।

समाचार सार

पेड़ों को राखी बांध डीसी ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश



हजारीबाग(रफ़्तार मीडिया संवाददाता)। टाटीझरिया प्रखंड के दुधमटिया में बुधवार को वन रक्षाबंधन सह पर्यावरण मेला आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपायुक्त हेमन्त सती शामिल हुए और वृक्षों को राखी बांधकर प्रकृति संरक्षण का संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि वृक्ष मानव जीवन और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का आधार हैं। पर्यावरण संरक्षण किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। उपायुक्त ने मेले में स्कूली बच्चों द्वारा जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण पर लगाए गए जागरूकता स्टॉल का निरीक्षण किया तथा बच्चों की रचनात्मक प्रस्तुतियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जंगल, जलस्रोत, पहाड़, नदियां, झरने और वन्यजीवों की रक्षा के लिए समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। उन्होंने ग्रामीण समुदाय से स्थानीय जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी की अपील की। साथ ही कहा कि पर्यावरण संरक्षण किसी एक दिन के आयोजन तक सीमित नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाला जन-अभियान होना चाहिए। मेले में निवज, निबंध और पेंटिंग प्रतियोगिताओं के अलावा सांस्कृतिक कार्यक्रम व झांकियां आयोजित की गईं। विभिन्न संस्थाओं ने जागरूकता स्टॉल लगाए। बीएसएफ मेरु के बैंड ने प्रस्तुति दी। नुकुड़ नाटक और एलईडी स्क्रीन के माध्यम से भी पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

उषा मार्टिन विश्वविद्यालय में जनजातीय अधिकार एवं परंपराओं के अध्ययन केंद्र का शुभारंभ



अनगड़ा(रफ़्तार मीडिया संवाददाता) : झारखंड की समृद्ध जनजातीय विरासत और स्वदेशी ज्ञान परंपराओं के संरक्षण एवं अध्ययन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए उषा मार्टिन विश्वविद्यालय (वटव), रांची ने बुधवार को उषा मार्टिन सेंटर फॉर ट्राइबल राइट्स एंड कस्टम्स (वट-CTRC) का शुभारंभ किया। यह केंद्र जनजातीय अधिकारों परंपराओं, संस्कृति, विरासत और समकालीन सामाजिक परिस्थितियों से जुड़े विषयों पर शोध, दस्तावेजीकरण, संवाद और अकादमिक अध्ययन के लिए एक समर्पित मंच के रूप में कार्य करेगा। कार्यक्रम में आलोक एस. कच्छप, निदेशक, ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट (TRI), रांची मुख्य अतिथि तथा डॉ. शमशेर आलम, सहायक प्राध्यापक, केंद्रीय विश्वविद्यालय झारखंड विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य अतिथियों द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद केंद्र का औपचारिक उद्घाटन किया गया तथा अतिथियों ने नवस्थापित केंद्र का भ्रमण किया। इस अवसर पर आलोक एस. कच्छप ने जनजातीय समुदायों से जुड़े व्यवस्थित शोध और दस्तावेजीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनजातीय ज्ञान, परंपराओं और सामाजिक प्रथाओं का अध्ययन अकादमिक संवेदनशीलता और सम्मान के साथ किया जाना चाहिए। डॉ. शमशेर आलम ने जनजातीय समाज, सांस्कृतिक परंपराओं और बदलती सामाजिक परिस्थितियों को समझने में अंतर्विषयक शोध की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रो. मधुलिता कौशिक, प्रो-चांसलर, वटव, ने कहा कि यह केंद्र विश्वविद्यालय को उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है जिसके तहत उच्च शिक्षा को कक्षा की सीमाओं से आगे ले जाकर झारखंड की सामाजिक और सांस्कृतिक वास्तविकताओं से जोड़ा जा रहा है। ब्रिगेडियर (डॉ.) समर वीर सिंह, कार्यवाहक कुलपति, वटव, ने कहा कि ऐसे अकादमिक मंच विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को क्षेत्र की विविध समुदायों तथा उनकी ज्ञान परंपराओं को करीब से समझने का अवसर प्रदान करते हैं।केंद्र के माध्यम से शोध, संग्रहित्य, व्याख्यानों, दस्तावेजीकरण और सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा दिया जाएगा तथा शिक्षाविदों विद्यार्थियों, जनजातीय प्रतिनिधियों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को एक सझा मंच पर लाने का प्रयास किया जाएगा वट-CTRC के माध्यम से उषा मार्टिन विश्वविद्यालय जनजातीय विरासत के संरक्षण और जनजातीय अधिकारों, ज्ञान प्रणालियों, परंपराओं तथा समकालीन चुनौतियों की अकादमिक समझ को मजबूत करने की दिशा में सार्थक योगदान देने का प्रयास कर रहा है।

इंजीनियरिंग के मूल सिद्धांतों में प्रेम, भाईचारा, सेवा और सांस्कृतिक एकता की भावना को मजबूत करने की दिशा में सार्थक योगदान देने का प्रयास कर रहा है।



नामकुम (रफ़्तार मीडिया संवाददाता) : सरला बिरला विश्वविद्यालय में इंजीनियरिंग के मूल सिद्धांतों और उनके व्यावहारिक उपयोग पर एक्सपर्ट टॉक का आयोजन किया गया। आयोजन सरला बिरला विश्वविद्यालय और युनिवर्सिटी ऑफ़ मिनेसोटा के बीच हुए शैक्षणिक करार के तहत किया गया था।कार्यक्रम में युनिवर्सिटी ऑफ़ मिनेसोटा के बायो-प्रोसेक्ट्स एंड बायोसिस्टम्स इंजीनियरिंग विभाग के प्राध्यापक डॉ. उदय बी. सिंह ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को संबोधित किया। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने कहा कि आज एआई तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसका प्रभाव लगभग हर क्षेत्र में नजर आता है। ऐसे समय में केवल नई तकनीक के पीछे चलने के बजाय इंजीनियरिंग के मूल सिद्धांतों को समझना जरूरी है। मजबूत बुनियादी ज्ञान, ताकिक सोच और समस्या का व्यवहारिक समाधान खोजने की क्षमता ही इंजीनियरों को बेहतर बनाने में मदद करती है।उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे नई तकनीकों की सीखने के साथ-साथ अपने मूल विषयों की समझ भी मजबूत करें। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग का उद्देश्य केवल तकनीक का इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि समाज और वास्तविक जीवन की समस्याओं का उपयोगी और टिकाऊ समाधान तैयार करना है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, माननीय कुलपति प्रो. सी. जगन्नाथन, कुलसचिव प्रो. एस. बी. दंडिन सहित डीन, एसोसिएट डीन और विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। सरला बिरला विश्वविद्यालय के माननीय प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान एवं माननीय राज्यसभा सांसद सह निदेशक प्लानिंग एंड डेवलपमेंट डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने एक्सपर्ट टॉक के आयोजन के निमित्त आयोजक मंडली को शुभकामना संदेश प्रेषित किया है।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू कार्टीटांड नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय रहेगा।